दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण:टोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा

• Since : 2004 /// कदम बढ़ाये, सच के साथ ///

वर्ष : 12 | अंक : 206 | टोंक | मंगलवार,01 अप्रैल, 2025 | चैत्र, शुक्ल पक्ष चतुर्थी संवत्-2082 | भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹ 4.00 | पृष्ठ : 08

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

मौसम जयपुर

33.0° अधिकतम तापमान

21.0° न्यूनतम तापमान

बाजार शेयर बाजार

सेंसेंक्स | 77,414.92
-191.51 (0.25%)

निफ्टी | 23,519.35
-72.60 (0.31%)

सर्राफा सोना/चांदी

सोना | 91,720 /10g

चांदी | 1,04,000 /Kg

संक्षिप्त समाचार

मोदी रिटायरमेंट पर चर्चा करने नागपुर गए आरएसएस उत्तराधिकारी तय करेगा : राउत

फडणवीस बोले- पिता के रहते उत्तराधिकार पर चर्चा हमारी संस्कृति नहीं

बढ़ता राजस्थान

नागपुर/मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने मुंबई में दावा किया कि पीएम मोदी अपने रिटायरमेंट प्लान पर चर्चा करने के लिए संघ मुख्यालय गए थे। उन्होंने भाजपा की 75 साल की उम्र में रिटायर होने की पॉलिसी का जिक्र किया। पीएम मोदी भी इस साल सितंबर में 75 साल की आयु पूरी कर लेंगे। इसके अलावा राउत ने यह भी दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ही पीएम मोदी के उत्तराधिकारी का फैसला करेगा और उनका उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा। दरअसल, बीते दिन पीएम मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार आरएसएस मुख्यालय पहुंचे थे। वे आरएसएस मुख्यालय का दौरा करने वाले दूसरे पीएम हैं। उनसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने पीएम के रूप में तीसरे कार्यकाल के दौरान 2000 में वहां का दौरा किया था। पीएम मोदी का भी यह तीसरा कार्यकाल है। राउत के बयान पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा- पीएम मोदी अभी कई साल तक देश का नेतृत्व करते रहेंगे। नागपुर में मीडिया से बात करते हुए फडणवीस ने कहा- 2029 में हम मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री के रूप में देखेंगे।

वे हमारे नेता हैं और वे पद पर बने रहेंगे। नेता के सक्रिय रहते हुए उत्तराधिकार पर चर्चा करना सही नहीं है।

राजस्थान में निकली गणगौर की सवारी

राजस्थान की शाही परंपरा, लोक संस्कृति और आस्था का प्रतीक गणगौर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान की शाही परंपरा, लोक संस्कृति और आस्था का प्रतीक गणगौर महोत्सव 2025 इस बार और भी भव्यता के साथ मनाया गया। त्रिपोलिया गेट से शाही लवाजमे के साथ निकली गणगौर माता की सवारी ने समूचे शहर को उत्सवमय बना दिया। देशी-विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ इस ऐतिहासिक सवारी को देखने के लिए उमड़ी और राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नजदीक से अनुभव किया।

शोभायात्रा के विशेष आकर्षण

- 3 अतिरिक्त हाथी, 12 घोड़े (लांसर्स पंचरंगा झंडा लिए हुए), 6 सजे-धजे ऊंट और 2 विक्टोरिया बग्गी शामिल की गई।
- परंपरागत अनुयायियों के साथ पंखी, अडानी एवं चढ़ी धारक समेत कुल 24 व्यक्तियों का दल उपस्थित रहा।
- अरवाड़ा संप्रदाय के अनुयायियों ने अपनी विशेष पारंपरिक प्रस्तुति दी।

पहली बार लाइव प्रसारण

इस वर्ष पहली बार सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदेशभर में लगी 200 एलईडी स्क्रीन्स के माध्यम से गणगौर महोत्सव का सीधा प्रसारण किया गया, जिससे वे श्रद्धालु भी इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बन सके जो स्वयं सवारी में सम्मिलित नहीं हो पाए। इसके अलावा, पर्यटन विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी इस आयोजन का लाइव प्रसारण किया गया।

छोटी चौपड़ पर भव्य आयोजन

गणगौर माता के स्वागत हेतु तीन भव्य मंच तैयार किए गए। दो मंचों पर लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हुईं, जबकि तीसरे मंच पर व्यापार मंडल के सदस्य और महिलाएं माता की पूजा और पुष्पवर्षा करती दिखीं। पुलिस बैंड और घूमर नृत्य की विशेष प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। पर्यटकों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था की गई।

पूर्व राजपरिवार ने निभाई परंपरा

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि जयपुर के पूर्व राजपरिवार की महिला सदस्यों ने जनानी ड्योढ़ी में विधि-विधान से गणगौर माता की पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात गणगौर माता की सवारी निकली, जिसे पूर्व राजपरिवार के महाराज सवाई पद्मनाभ सिंह ने त्रिपोलिया गेट पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद नगर परिक्रमा के लिए रवाना किया। माता के स्वागत में श्रद्धालुओं ने 'भंवर म्हाने पूजण दे गणगौर' और 'खोल ऐ गणगौर माता खोल किवाड़ी' जैसे लोकगीतों की गूंज से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 45 लाख की इनामी नक्सली ढेर

बढ़ता राजस्थान

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। दंतेवाड़ा और बीजापुर बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 45 लाख की इनामी महिला नक्सली लीडर रेणुका उर्फ बानू को ढेर कर दिया। रेणुका डीकेएसजेडसी-दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर थी। शव के साथ एक इंसास राइफल, गोला बारूद और लैपटॉप बरामद किया गया। सोमवार सुबह नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों की टीम निकली थी। करीब 9 बजे जवानों का सामना नक्सलियों से हो गया। दोनों ओर से काफी देर तक फायरिंग हुई। जवानों में घेरकर महिला नक्सली को ढेर किया है। इससे पहले 25 मार्च को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ सुधाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने 2025 में अबतक 119 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। सुकमा और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड)और सीआरपीएफ के 500-600 जवानों ने 17 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 11 महिला नक्सली हैं।

शिक्षा नीति में 3 सी एजेंडा, इससे केंद्रीकरण व्यवसायीकरण और सांप्रदायिकता बढ़ेगी : सोनिया

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की आलोचना की है। अंग्रेजी अखबार द हिंदू के एक आर्टिकल में सोनिया गांधी ने लिखा, 'केंद्र सरकार शिक्षा नीति के माध्यम से अपने 3 सी एजेंडे (केंद्रीकरण, व्यवसायीकरण और सांप्रदायिकता) को आगे बढ़ा रही है। शिक्षा नीति भारत के युवाओं और बच्चों की शिक्षा के प्रति सरकार की गहरी उदासीनता को दिखाती है। सोनिया ने अपने लेख में केंद्र पर संघीय शिक्षा ढांचे को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा- मोदी सरकार राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों से बाहर रखकर शिक्षा के संघीय ढांचे को कमजोर कर रही है।

वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल को पेश हो सकता है

रिजिजू बोले- इसकी तैयारी कर रहे, शाह ने कहा था- इसी सत्र में लाएंगे

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल को 2 अप्रैल को संसद में पेश किया जा सकता है। सरकार पहले लोकसभा में बिल पेश करेगी। सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- हम संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। बिल पर संसद के बाहर खूब विचार-विमर्श हुए हैं। हमें सदन में बहस और चर्चा में भी जरूर भाग लेना चाहिए। रिजिजू ने कहा- बिल पर बनी जेपीसी ने लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा परामर्श प्रक्रिया का रिकॉर्ड बनाया है। सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध है कि लोगों को गुमराह न करें। उन्होंने कहा कि भोले-भाले मुसलमानों को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि सरकार मुसलमानों की संपत्ति और अधिकार छीनने जा रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने 29 मार्च को एक निजी चैनल से बातचीत में इसी सत्र (बजट सत्र) में वक्फ बिल संसद में पेश करने की बात कही थी। शाह ने कहा था कि इस बिल से किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है। ईद के दिन देश में कई जगह नमाज अदा करने के लिए मुस्लिम समाज के लोग वक्फ बिल के विरोध में काली पट्टियां बांधकर पहुंचे। रमजान का आखिरी जुमा (जुमातुल विदा) के दिन 28 मार्च को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशभर के मुसलमानों से काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ने जाने को कहा था। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने जारी किए गए लेटर में लिखा था- वक्फ संशोधन बिल का पुरजोर विरोध करना देश के हर मुसलमान की जिम्मेदारी है। सभी मुसलमान नमाज के लिए मस्जिद जाते समय काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण और मौन

विरोध दर्ज कराएं। संसद ने 1954 में बनाया था वक्फ एक्ट वक्फ में मिलने वाली जमीन या संपत्ति की देखरेख के लिए कानूनी तौर पर एक संस्था बनी, जिसे वक्फ बोर्ड कहते हैं। 1947 में देश का बंटवारा हुआ तो काफी संख्या में मुस्लिम देश छोड़कर पाकिस्तान गए थे। वहीं, पाकिस्तान से काफी सारे हिंदू लोग भारत आए थे। 1954 में संसद ने वक्फ एक्ट 1954 के नाम से कानून बनाया।

राजस्थान दिवस सामाहिक महोत्सव

2030 तक राज्य बनेगा 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था : सीएम

राजस्थान को सर्वश्रेष्ठ निवेश स्थल बनाने के लिए किए दूरगामी निर्णय : मुख्यमंत्री शर्मा

राजस्थान लॉजिस्टिक नीति-2025, राजस्थान डाटा सेंटर नीति-2025 और राजस्थान वस्त्र एवं परिधान नीति-2025 का विमोचन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता, सुशासन और नीतिगत सुधारों के माध्यम से राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ निवेश स्थल बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षरित हुए निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करोड़ रूपये के एमओयू की आज ग्राउण्ड ब्रेकिंग की गई है। उन्होंने आह्वान किया कि उद्योगपति अपने निवेश, युवा अपनी प्रतिभा तथा किसान अपनी मेहनत से ऐसे राजस्थान का निर्माण करें, जो न केवल भारत का गौरव बने, बल्कि विश्व में अपनी पहचान स्थापित करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने रीको औद्योगिक क्षेत्रों के लिए डायरेक्ट लैंड एलॉटमेंट पॉलिसी लॉन्च की जिसमें उन सभी एमओयू धारकों को शामिल किया गया जिन्होंने राइजिंग राजस्थान के तहत सरकार के साथ 15 मार्च तक एमओयू निष्पादित किए। निवेशकों के उत्साह को देखते हुए मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष आवंटन नीति 16 मार्च से 30 अप्रैल तक निष्पादित होने वाले सभी नये एमओयू पर भी लागू किए जाने की घोषणा की। ये एमओयू धारक अगले आवेदन प्रक्रिया के दौर में इस नीति का लाभ उठा सकेंगे, जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा और 15 मई से सभी के लिए पुन: खोला जाएगा। शर्मा ने कहा कि सरकार 18 नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने जा रही है। इन नए औद्योगिक क्षेत्रों को अलग-अलग सेक्टर्स की जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया गया है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन इन्वेस्टर इंटरफेस का मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया है, जिससे संबंधित निवेशक मोबाइल पर ही अपने-अपने प्रस्तावों के क्रियान्वयन की प्रगति को ट्रैक कर सकेंगे, अपने सवालों का जवाब पा सकेंगे और अधिकारियों से और भी आसानी से जुड़ सकेंगे।

साथ ही, उन्होंने राजस्थान लॉजिस्टिक नीति-2025, राजस्थान डाटा सेंटर नीति-2025 और राजस्थान वस्त्र एवं परिधान नीति-2025 का भी विमोचन किया। ये नीतियां उद्योगों के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करेंगी और राजस्थान को निवेश का सबसे पसंदीदा स्थान बनाएंगी।

Tariq : 9509674415

Mahi Car Decor

• Seat Covers • Floor Mats
• Android Players • Speakers
• Center Locking • Power Windows
• Perfumes • Ambience Light

Manufacturer of Car Seat Covers

Chacha Complex, Jalupura Link Road, M.I.Road, Jaipur

सम्पादकीय

ट्रंप की धमकी और सुधार का अवसर

डॉनल्ड ट्रंप का आगमन और 'ट्रंपवाद' का तेज उभार भारत के लिए अच्छा है या बुरा? व्हाइट हाउस में आने के बाद से वह एक ही राग अलाप रहे हैं, 'दुश्मन क्या हमें तो अपनों ने भी लूट लिया।' तब से वह अपने दोस्तों को ही निशाना बना रहे हैं। सामरिक और रक्षा में यूरोप को तथा व्यापार में कनाडा, मेक्सिको और भारत को। भारत को तो उन्होंने टैरिफ किंग भी कह डाला है। किसी बड़े देश खासकर लोकतंत्र में राजनीति और अर्थशास्त्र कदमताल करते हैं। सामान्य समय में राजनीतिक नेतृत्व को यह तय करना चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था किस दिशा में जाएगी? परंतु भारत में 'सामान्य' के परिणाम अधिकतर अवसरों पर अलग होते हैं। कम से कम दो मौकों पर भारत ने बड़े सुधार तब किए जब उसके सिर पर बंदूक तन गई। पहला मौका था 1991 में भुगतान संतुलन का संकट, जब भारत को आईएमएफ का दरवाजा खटखटाना पड़ा था। दूसरा था 1998 में पोखरण-2 के बाद वैश्विक प्रतिबंध। ट्रंप की धमकियां तीसरा मौका हो सकती हैं। अपनी पीठ थपथपाने के बजाय भारत के सत्ता प्रतिष्ठान को होश में आना चाहिए और सुर्खियां संभालने के बजाय हकीकत पर ध्यान देना चाहिए। 'सबसे तेज बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था' अथवा 'पांचवी सबसे बड़ी और जल्द ही जापान और जर्मनी को पछाड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा देश' जैसी खबरें देसी श्रोताओं को खुश कर सकती हैं मगर हम पिछले एक दशक से हम सुन रहे हैं कि विनिर्माण क्रांति होने को है फिर अब तक हो क्यों नहीं पाई? क्या ट्रंप के ऐसे दबाव की जरूरत थी? हम अतीत से कुछ सीख सकते हैं। सबसे पहले 1947 से 1989 के दौर को आर्थिक लिहाज से दु:स्वप्न समझ कर भूल जाते हैं। कुछ इतिहासकार और अर्थशास्त्री कह सकते हैं कि इंदिरा गांधी ने आपातकाल के बाद के दौर में नियंत्रण कम करना शुरू कर दिया था और राजीव गांधी ने उसे आगे बढ़ाया। कांग्रेस ने आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया शुरू की, इस बात पर पक्के कांग्रेसियों के अलावा कोई यकीन नहीं करेगा। हकीकत में इंदिरा-राजीव के दशक की देन अगर कुछ है तो वह है भुगतान संतुलन का संकट जिसके चलते भारत में पहले बड़े सुधार हुए। बतौर वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने 1997-98 में देवेगौड़ा-इंद्र कुमार गुजराल के कार्यकाल में कुछ अहम बदलाव किए। उनमें से अधिकांश राव-मनमोहन के सुधारों को ही आगे बढ़ाने वाले थे लेकिन सरकारी उपक्रमों के लिए शेयर बाजार के दरवाजे खोलने और निजीकरण शुरू करने वाले कदम भी तभी उठाए गए। परंतु इसके बाद भारत को अगले संकट का इंतजार करना पड़ा जो आया 1998 में वाजपेयी सरकार द्वारा पोखरण-2 परीक्षणों का। उनके बाद अमेरिका तथा उसके साझेदार देशों मसलन यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया तक ने बहुत बड़ी तादाद में प्रतिबंध लगाए। तत्कालीन विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने जब अमेरिका के साथ संवाद शुरू किया तो उन्होंने इस बात पर सबसे अधिक जोर दिया कि भारत एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति है और चीन का जवाब बन रहा है। यह भी कि क्या अमेरिका सुधारों के दौर से गुजर रहे भारत के व्यापक आर्थिक अवसरों को गंवाना चाहता है? इसके बाद सुधारों की दूसरी लहर आई। इसमें सरकारी उपक्रमों का बड़े पैमाने पर निजीकरण भी शामिल था। यहां तक कि मुनाफे में चल रहे उपक्रमों का भी। आज हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो ऐसा लगता है मानो हमारी पीढ़ी के जीवन का एक छोटा खुशी भरा स्वप्न था। उसके बाद से एयर इंडिया को छोड़कर कोई निजीकरण नहीं हुआ। पोखरण के बाद लगे प्रतिबंधों के पश्चात एफडीआई से लेकर आयात तक तमाम सुधार हुए, भारतीय कंपनियों को विदेशों में निवेश करने की आजादी मिली और सामान्य नागरिकों को हर वित्त वर्ष में 2.50 लाख डॉलर की राशि विदेशों में निवेश करने की सुविधा मिली। इसके अलावा शुल्क में भी कमी देखने को मिली।

आज का इतिहास – बढ़ता राजस्थान

1 अप्रैल की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- फ्रांस में 1582 में फूल्स डे की शुरूआत।
- जापान में 1793 में 'उनसेन' नाम का ज्वालामुखी फटने के वजह से तक़रीबन 53000 लोगों की मौत।
- कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल 1839 में शुरू किया गया था।
- कोलकाता में बनी संग्रहालय की नई इमारत को जनता के लिए 1878 में खोला गया।
- फ्रांस की राजधानी पेरिस और ब्रिटेन की राजधानी लंदन के बीच 1891 में दूरभाष संपर्क शुरू हुआ।
- सन 1912 में दिल्ली को भारत की राजधानी और एक प्रांत घोषित किया गया।
- अडोल्फ़ हिटलर को 1924 में बीयर हॉल क्रान्ति में भाग लेने के लिए 5 साल कैद की सजा सुनाई गई। लेकिन वह केवल 9 महिने तक जेल में रहे।
- सन 1930 में देश में विवाह के लिए लड़कियों की न्यूनतम उम्र चौदह और लड़कों की अठारह वर्ष की गई।
- पाकिस्तान कराची में 1933 में भारतीय वायु सेना की स्थापना की गई।
- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 1 अप्रैल 1935 से काम करना शुरू किया। इसके लिए अंग्रेजों ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट 1934 कानून बनाया था।
- ओडिशा को बिहार से अलग करके 1936 में एक नया राज्य बनाया गया।
- भारत का पहला परमाणु ऊर्जा स्टेशन 1969 में महाराष्ट्र के तारापुर क्षेत्र में शुरू हुआ।
- भारत के कार्बेट नेशनल पार्क में चीताओं को बचाने के लिए 1973 में 'टाइगर बचाओं' अभियान चलाया गया।
- दूरदर्शन को रेडियो से अलग कर के 1976 में दूरदर्शन कॉर्पोरेशन की स्थापना हुई।
- स्टीव जॉब्स और उनके साथियों ने मिलकर 1 अप्रैल 1976 को एप्पल कंपनी की स्थापना की थी।
- ईरान 1979 में मुस्लिम गणराज्य घोषित हुआ।
- आठवीं पंचवर्षीय योजना 1992 में प्रारंभ हुई।
- 1997 में मार्टिना हिंगिस टेनिस इतिहास में सबसे कम उम्र की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनीं।
- नीदरलैंड समलैंगिक विवाह को 2001 में कानूनी तौर पर अपनाने वाला दुनिया का प्रथम देश बन गया।

1 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

- सिखों के नवें गुरु गुरु तेग बहादुर का 1621 में जन्म हुआ।
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशवराव बालीराम हेडगेवार का 1889 में जन्म हुआ।
- भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्राण कृष्ण पारिजा का 1891 में जन्म हुआ।
- प्रगतिशील काव्य-धारा के एक प्रमुख कवि एवं लेखक केदारनाथ अग्रवाल का 1911 में जन्म हुआ।

विशेष आलेख

एक ज़रूरी बचाव, लेकिन क्या लोग ऊब गए हैं?

1930 की चेतावनी और पकते कानः साइबर सतर्कता या शोरगुल?

साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 और ऑनलाइन ठगी से बचाव की चेतावनियाँ इतनी बार सुनाई देने लगी हैं कि लोग अब इनसे ऊबने लगे हैं। बैंक, फोन कंपनियाँ, न्यूज़ चैनल्स, और सोशल मीडिया हर जगह साइबर फ्रॉड के अलर्ट्स छाए हुए हैं, जिससे लोग ठगी से कम और चेतावनी से ज़्यादा परेशान हैं। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि असली कॉल्स और स्कैम्स में फर्क करना भी मुश्किल हो रहा है–हर मैसेज पर शक, हर कॉल पर संदेह! लोग इतने सतर्क हो गए हैं कि जरूरत पड़ने पर भी मदद माँगने वालों से पहले आधार कार्ड और पैन नंबर मांगने लगते हैं।

– प्रियंका सौरभ

कभी-कभी ऐसा लगता है कि अगर किसी को गुप्त एजेंसी के लिए जासूसी करनी हो, तो उन्हें साइबर क्राइम से बचें जैसे संदेशों को बैकग्राउंड म्यूजिक बना देना चाहिए। जितनी बार हम अपने फोन, टीवी, बैंक मैसेज, या सोशल मीडिया खोलते हैं, 1930 हेल्पलाइन और साइबर ठगी की चेतावनी हमारे सामने आ जाती है। एक वक्त ऐसा आता है जब दिमाग कहता है, भाई, अब तो हमें खुद स्कैमर्स भी पहचानने लग गए होंगे! आजकल साइबर अपराध इतने आम हो गए हैं कि हर दिन हजारों लोग किसी न किसी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। इसी को रोकने के लिए सरकार ने 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन शुरू की, ताकि लोग धोखाधड़ी के तुरंत बाद इसकी शिकायत कर सकें और पैसे वापस पाने की कोशिश कर सकें। लेकिन समस्या यह है कि इस हेल्पलाइन और साइबर सुरक्षा से जुड़ी चेतावनियाँ इतनी बार दोहराई जा रही हैं कि कुछ लोगों को यह कान पकाने वाली चीज़ लगने लगी है। बैंक, फोन कंपनियाँ, सोशल मीडिया, और न्यूज़ चैनल्स—हर जगह साइबर फ्रॉड से बचने के लिए अलर्ट्स आ रहे हैं।

क्या लोग इसे नज़रअंदाज़ करने लगे हैं? हेल्पलाइन या रेडियो स्टेशन?

आपके अकाउंट से संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुआ है... अगर यह लाइन आपको सपनों में भी सुनाई देने लगी है, तो आप अकेले नहीं हैं! साइबर सुरक्षा जागरूकता इतनी ज़्यादा बढ़ गई है कि अब लोग ठगी से कम और चेतावनी से ज़्यादा परेशान हैं। बैंक ध्यान दें! कोई भी आपकी ओटीपी मांगे, तो उसे दें मत! फोन कंपनियाँ साइबर क्राइम से बचें। 1930 पर कॉल करें। न्यूज़ चैनल्स आज हम बताएँगे कैसे साइबर ठगी का नया तरीका आपको चूना लगा सकता है! वॉट्सएप ग्रुप-ये पढ़िए, एक आदमी ने लिंक पर क्लिक किया और उसका बैंक बैलेंस गायब! अब स्थिति यह हो गई है कि असली कॉल आए तो भी शक होता है कि कहीं यह स्कैम तो नहीं? कुछ लोग इतनी बार ये चेतावनियाँ सुन चुके हैं कि अब उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। कई बार लोग मान लेते हैं कि मुझे तो कुछ नहीं होगा, और लापरवाही बरतने लगते हैं। कुछ मामलों में, लगातार चेतावनी देने के बावजूद लोग फर्जी कॉल्स या मैसेज का शिकार हो जाते हैं।

लेकिन साइबर फ्रॉड क्यों बढ़ रहे हैं? जब बचाव भी संदेहास्पद लगे

आजकल साइबर सतर्कता के कारण भरोसा करने की कला भी खत्म हो रही है। अगर कोई दोस्त सच में पैसे माँग ले, तो दिमाग कहता है, स्कैम लग रहा है, पहले वीडियो कॉल कर! कोई रिश्तेदार ओटीपी माँग ले तो जवाब आता है, पहले आधार कार्ड भेजो! सिर्फ इतना ही नहीं, कई बार लोग 1930 पर कॉल करके खुद की पहचान वेरिफाई कराने लगते हैं! भैया, मैं असली हूँ, स्कैमर नहीं! टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग- जैसे-जैसे डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन बैंकिंग बढ़ी है, वैसे-वैसे साइबर ठग भी स्मार्ट होते गए हैं। सोशल इंजीनियरिंग फ्रॉड- जालसाज लोगों की भावनाओं और आदतों का फायदा उठाकर उन्हें ठग लेते हैं। जैसे—फर्जी नौकरी ऑफर, लॉटरी, केवाईसी अपडेट, आदि। बहुत से लोग लिंक पर क्लिक करने या ओटीपी शेयर करने से पहले सोचते नहीं हैं।

तो क्या करना चाहिए?समाधान क्या है?

1930 ज़रूरी है, लेकिन इसे पढ़ाई की किताब मत बनाओ। मज़ेदार तरीके से लोगों को जागरूक करो—मेम्स बनाओ, स्टैंड-अप कॉमेडी करो, रोबोटिक आवाज़ में मत सुनाओ! हर अलर्ट को सिरियस मत लो, लेकिन हर लिंक पर क्लिक भी मत करो। एक बैलेंस बनाओ, वरना या तो कान पकेंगे या जेब। हर बार स्कैम का डर मत पालो, लेकिन होशियार रहो। नहीं तो एक दिन सच में जरूरत पर कोई मदद माँगेगा, और तुम कहोगे—पहले आधार कार्ड और पैन नंबर भेज! तो अगली बार जब कोई 1930 का ज़िक्र करे, तो कान मत पकड़ो—बल्कि समझदारी से इसे अपनाओ। वरना साइबर ठगी तो दूर, भरोसे की ठगी के शिकार हो जाओगे! 1930 हेल्पलाइन को हल्के में न लें- यह नंबर आपकी मेहनत की कमाई बचाने में मदद कर सकता है। साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करें, अजनबी लिंक पर क्लिक न करें। किसी से भी अपना बैंक डिटेल या ओटीपी शेयर न करें। अजनबी नंबरों से आई कॉल्स पर भरोसा न करें। अपने आसपास के लोगों को जागरूक करें- खासकर बुजुर्गों और टेक्नोलॉजी में कम जानकारी रखने वालों को साइबर फ्रॉड से बचने की जानकारी दें। अगर फ्रॉड हो जाए तो घबराएँ नहीं- तुरंत 1930 पर कॉल करें।

मन को हल्का करने के लिए मजाक का सहारा शुरू से ही 32 मार्च का है मूर्ख दिवस से सम्बन्ध

– विवेक वैष्णव

अप्रैल फूल बनाया तो उनको गुस्सा आया'' यह गाना हमारे में से कई लोगों ने कई सुना होगा और कई लोगों का यह फेवरेट सोंग भी रहा होगा। 1 अप्रैल का नाम सुनते ही लोगों में दिमाग में इस दिन लोगों को मूर्ख बनाने का ही विचार आता है। अपने पहचान वालों को बिना अधिक परेशान किये मजाक करने के लिए षरारतें करने का यह उत्सव लगभग हर देश में मनाया जाता है। पिछली कई सदियों से 1 अप्रैल के दिन मूर्ख दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन लोग एक दूसरे के साथ मजाक करते हैं। हालांकि अब यह परिपाटी भी धीरे धीरे समाप्त प्रायः हो गई है।

वैसे तो मूर्ख दिवस से जुड़ी बहुत सारी किदवन्तियां है लेकिन उनमें से असल क्या है यह भी शायद ही कोई बता पायें। अप्रैल फूल मनाने की प्रेरणा रोमन त्यौहार हिलेरिया से ली गई है। इसके अलावा मध्यकाल का फीस्ट ऑफ फूल (बेवकूफों की दावत) भी इस त्यौहार की प्रेरणा माने जाते है। भारत में अप्रैल फूल डे सेलिब्रेट करने की शुरूआत 19वी शती को माना जाता है। उस समय अंग्रेज हुकुमत अपनी परम्पराओं को यहां भी बढ़ा रहे थे और इन्ही परम्पराओं में अप्रैल फूल कल्चर भी शामिल रहा। एक किदवन्ती के अनुसार मूर्ख दिवस मनाने की शुरूआत 1381 में तब हुई जब इंग्लैण्ड के राजा रिचर्ड द्वितीय और बोहेमिया की रानी ऐनी द्वारा सगाई का ऐलान किया गया था। सगाई की तारीख 32 मार्च तय की गई। जनता ने इसका जश्न मनाना शुरू कर दिया था तथा बाजार भी सजाये जाने लगे थे। लेकिन जब कुछ लोगों ने इस बात की ओर ध्यान दिया कि 32 मार्च जैसी कोई तारीख ही नही होती है तो उन्हे आभास हुआ कि उन्हे मूर्ख बना दिया गया है। इसके बाद से ही मूर्ख दिवस मनाने का प्रचलन शुरू हुआ। चौसर की कैंटरबरी टेल्स (1392) एक कहानियों का संग्रह थी। उसमें एक कहानी ''नन की प्रीस्ट'' कहानी मार्च के 30 दिन और 2 दिन के सेट में थी। जिसे प्रिंटिंग की गलती समझा जाता है और विद्वानों के हिसाब से चौसर ने असल में मार्च खत्म होने के बाद के दो दिन लिखे। इस कहानी में एक घमंडी मुर्गे को एक चालाक लोमड़ी ने बेवकूफ बनाया था। 1539 में फ्लेमिश कवि एडवर्ड डे डेने ने एक ऐसे ऑफिसर के बारें में लिखा जिसने अपने नौकरों को एक बेवकूफी की यात्रा पर 1 अप्रैल को भेजा था। कई इतिहासकार मानते है कि अप्रैल फूल डे का का इतिहास तब का है जब 1582 में पोप चार्ल्स नवम् ने पुराने कैलेंडर के स्थान पर नए रोम कैलेंडर का इस्तेमाल शुरू किया था। 1582 में फ्रांस में जूलियन से ग्रेगोरियन कैलेंडर को अपनाया था। उस दौरान जूलियन कैलेंडर में एक अप्रैल से नया साल शुरू होता था। ग्रेगोरियन कैलेंडर में यह दिन एक जनवरी में शिफ्ट हो गया था। इस बदलाव को बहुत से लोग समझ नही पाये। इस बदलाव को बहुत से लोगों ने सालों तक नही अपनाया था उन्हे अप्रैल की आदत थी। ऐसे में जो लोग जूलियन कैलेंडर के हिसाब से 1 अप्रैल को ही नया साल मनाते थे उन्हे बाकी लोग बेवकूफ कहते थे तथा इन लोगों का मजाक उडाया जाता था। कुछ इतिहासकार इसे हिलेरिया से भी जोड़ते है। हिलेरिया एक लैटिन शब्द है जिसका मतलब आनंदित होता है। प्राचीन रोम में एक समुदाय द्वारा एक त्यौहार मनाया जाता था जिसमें लोग अपना वेश बदलकर लोगों को मूर्ख बनाने की कोशिश करते थे। यह त्यौहार भी मार्च के आखिर में ही मनाया जाता था इसलिए कुछ इतिहासकारों ने इसे अप्रैल फूल से जोड़ दिया। अलग अलग देशों में मूर्ख दिवस अलग अलग तरीकों से अलग अलग दिन मनाया जाता है। पहले यह दिन फ्रांस और

शख्सियत – बढ़ता राजस्थान

प्रेम बहादुर निर्भय
(डिप्टी एसपी)

नमस्कार मित्रों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के सुपरस्टार है राजस्थान पुलिस के जांबाज ऑफिसर प्रेम बहादुर निर्भय । जी हां , खाकी के प्रति अनन्य प्रेम गजब की बहादुरी और अपराधियो के आगे निर्भयता तीनों का संगम इस ऑफिसर में देखने को मिल रहा है। जब पूरा देश दिपावली पर जगमगा रहा था तब एक जाट परिवार में सन 1973 को एक लाल का जन्म हुआ, नाम पड़ा प्रेम बहादुर निर्भय। 12वीं तक की शिक्षा आमेर में हुई ,कॉलेज की पढ़ाई महाराजा कॉलेज जयपुर से हुई जहां बीएससी मैथ से और एमएससी फिजिक्स से पूरी कर 21 वर्ष की जांबाज उम्र में राजस्थान पुलिस में थानेदार बनाकर पुलिस बड़े में शामिल हुए और शानदार पुलिसिंग करते हुए आज तक 22 थानों में एसएचओ और पांच सर्किलों में सीओ हो रहे हैं। वर्तमान में जिला सवाई माधोपुर में बोली डिप्टी एसपी पद को सुशोभित कर रहे हैं। आम इंसान के लिए अधिकारी, राजनेता, कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट तक संघर्ष किया। जाति से ये जाट है और जाट यानी कि जे ए टी (जस्टिस अगेंस्ट ट्रुथ) उनकी परिभाषा कुछ इस तरीके से जानी जाती है जाट की फुल फोम। अपनी पूरी पुलिस फोर्स के लिए जी जान एक कर देने वाले व अपने अधिकारियों के आदेश पर पूरी तरह निर्भय होकर अपराधियों से भिढ़ने वाले जांबाज पुलिस अधिकारी के रूप में इन्हें जाना जाता है। शानदार पर्सनैलिटी है और सबसे बड़ी बात है पूरी ईमानदारी निष्ठा मेहनत लगन और कर्तव्य परायणता के साथ खाकी के इकबाल को बुलंद करने वाले पुलिस ऑफिसर के रूप में जाने जाते हैं । दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम इस नौजवान पुलिस ऑफिसर के उज्जवल भविष्य की कामना करती है जय हिंद।

रूपक शर्मा

2025_086 a – बढ़ता राजस्थान

Ans_2025_085

Suduko

				6		4	9	5
	5	4	7	1	8		2	6
	3		9		4	1		
5	9		4				1	
7			2	9	5	6	4	
6	4	2			3	7	5	
4	2	1	8	3		5	6	7
3	7	5		2	1	9	8	4
					7	2	3	

9	8	3	4	7	5	1	2	6
4	1	6	3	8	2	5	7	9
7	5	2	6	9	1	8	3	4
2	4	1	8	5	6	7	9	3
6	3	9	2	1	7	4	8	5
5	7	8	9	4	3	6	1	2
3	6	4	7	2	8	9	5	1
8	2	5	1	6	9	3	4	7
1	9	7	5	3	4	2	6	8

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। काई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

आज के दिन बौद्धिक काम, नए सृजन और साहित्यिक गतिविधि में आप उलझे रहेंगे। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। व्यापार में लाभ का अवसर मिलेगा। आज आपको कार्यालय और व्यापार में थोड़ा संभलकर चलना होगा।

वृष

सुबह का समय दोस्तों के साथ घूमने-फिरने, खान-पान एवं मनोरंजन में बीत सकता है। पार्टनरशिप काम में ध्यान रखें। व्यापार में ज्यादा लाभ की उम्मीद नहीं है। दोपहर के बाद आप को प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन

व्यापार में किसी तरह का लाभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। पूंजी निवेश में सावधानी बरतें। धार्मिक काम के पीछे धन खर्च हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के विषय में संभलकर चलें।

कर्क

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दोपहर के बाद पारिवारिक जीवन में हर्षोल्लास का वातावरण बना रहेगा। आज कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। पिता से आपको लाभ होगा। ज्योतिष और आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बनी रहेगी। सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह

स्वभाव में उग्रता हो सकती है, इसलिए वाणी पर संयम रखें। दोपहर के बाद आप आप मनोरंजन की ओर ज्यादा बढ़ेंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ प्रवास या पर्यटन का योग है। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रह पाएंगे।

कन्या

मानसिक रूप से आप में भावुकता की मात्रा अधिक रहेगी। किसी बात को लेकर ज्यादा विचलित ना हों। अपनी कल्पनाशक्ति से साहित्य-सृजन में आप नवीनता ला पाएंगे। व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है।

तुला

मित्रों का सहयोग भी आप को प्राप्त होगा। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए निरर्थक वाद-विवाद न करें। धन और प्रतिष्ठा में हानि हो सकती है। आप की रचनात्मकता में सकारात्मक वृद्धि होगी।

वृश्चिक

अपनी वाणी और व्यवहार को संयमित रखना आपके ही हित में रहेगा। आज आपकी नौकरी और व्यवसाय में रुचि बढ़ेगी। आज स्वास्थ्य का ध्यान रखें। साथी कर्मचारियों का साथ मिलेगा। संतान की चिंता आपको हो सकती है।

धनु

दवाई खरीदने या अस्पताल की फीस पर आकस्मिक खर्च हो सकता है। आज दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ हर काम को आसानी से बना पाएंगे। गृहस्थ जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

मकर

आज वाणी पर संयम रखें. स्नेहीजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा। किसी उलझन में दिन गुजरेगा। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। आप नए काम का आरंभ कर सकेंगे।

कुंभ

आज का आपका दिन लाभकारी है। पारिवारिक और प्रोफेशनल दोनों ही क्षेत्रों में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-परिवार में आनंद का वातावरण आप को खुश रखेगा। बहुत दिनों से अटके सरकारी कामों में सफलता मिलेगी।

मीन

किसी तरह का आर्थिक लाभ भी हो सकता है। हालांकि, स्वास्थ्य को लेकर उतार-चढ़ाव बना रहेगा। गृह एवं संतान सम्बंधी शुभ समाचार आप को मिलेंगे। पुराने और बचपन के दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। दोस्तों के साथ मुलाकात होगी।

खुदा की इबादत में झुके हजारो शीश

■ बिना सक्षम स्वीकृति के नारेबाजी युवाओं को समझा कर शीध्र घरो की ओर भेजा गया

■ पुलिस ने शीध्र ही समझाईश कर किया मामले को शांत, पुलिस की समझाईश का हुआ बहुत बड़ा असर

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा के मुस्लिम समाज ने सोमवार को ईद पर्व पर केकड़ी रोड स्थित ईदगाह के मैदान में शहर काजी वकार अहमद की अगुवाई में सामूहिक नमाज अदा कर अमन चेन की दुआ मांगी। ईदगाह मैदान पर हुई ईद में शहर सहित आसपास के क्षैत्रो से आए मुस्लिम भाईयो ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। ईधर ईद पर्व को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से शहर में सुरक्षा के पुख्ता ओर कड़े इन्तजाम किए गए थे। ईदगाह मैदान के बाहर वृताधिकारी आशिष प्रजापत और थानाधिकारी चेनाराम बेड़ा भारी पुलिस जाप्ते के साथ तैनात रहे। इसके अलावा शहर के मुख्य स्थानो सहित नमाज अदा कर वापस घरो की ओर जाने वाले रास्तो पर भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए गए थे। ईद के उठने के साथ नमाजियो ने एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारक बाद दी। नमाजी ईद पूरी कर वापस घरो की ओर रवाना हुए। पुराने समय से चली आ रही शहर काजी का जुलुस पिछले तीन चार सालो से नहीं निकलने के चलते नमाजी ईदगाह से दौड़ कर ट्रक स्टेण्ड कृष्ण टाकीज वाले चौराहे पर आकर एकत्रित हो गए। यहां कुछ युवा बिना सक्षम स्वीकृति के ईद का जुलुस निकालने की मांग व जमकर नारेबाजी करने लगे। जिन्हें पुलिस ने शांति से समझाने का प्रयास कर नारेबाजी कर रहे युवाओं को शांत रहने का आव्हान किया। साथ ही पुलिस ने इस मामले को लेकर मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिको को समझाने का प्रयास किया। जिसका काफी असर हुआ और नारेबाजी कर रहे युवा घरो की ओर रवाना हो गए। वैसे युवाओं की नारेबाजी के दौरान काफी भीड़ एकत्रित होने के चलते हर बार की तरह इस बार भी मुख्य सड़क पर कुछ समय के लिए आगवामन बाधित रहा। लेकिन नमाजियो के घरो की लौट जाने के साथ ही यातायात सुचारू हो गया।

ईद मिलन समारोह आयोजित

ईद की नमाज के बाद सद्भावना समिति अध्यक्ष इकबाल दादा के निवास पर ईद मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इस समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम बेनीवाल, उपखण्ड अधिकारी अमित कुमार चौधरी, वृताधिकारी आशिष प्रजापत के अतिरिक्त कई पार्षद व गणमान्य नागरिक मौजुद रहे। सद्भावना समिति की ओर से मौजुद सभी अधिकारियो का इस्तकाबल किया गया। वहीं अधिकारियो ने भी मोजुद लोगो को ईद पर्व की बधाई और शुभकामनाऐं दी।

इनका कहना है : इधर नमाज के बाद ट्रक स्टेण्ड चौराहे पर हंगामे की बात को थानाधिकारी चेनाराम बेड़ा ने पूरी तरह से नकारते हुए बताया कि हंगामे की बात बेबुनियाद और पूरी तरह से तथ्यो के विपरीत और मात्र अफवाह है। मौके पर हंगामे जैसी कोई बात नहीं हुई। हर बार की तरह नमाजी नारेबाजी कर रहे थे। यातायाता व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाऐं सुचारू रखने के लिए पुलिस ने नारेबाजी कर रहे युवाओं को घरो की ओर लौट जाने की अपील की थी। जिसका बहुत बड़ा असर हुआ ओर नारेबाजी करने वाले युवा तुरन्त घरो की चले जाने के बाद मामला पूरी तरह से शांत हो गया। पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए व मुस्लिम समाज के प्रबुद्धजनो से बात कर मामले को कुछ ही देर में शांत कर लिया था। बेड़ा ने यह भी बताया कि ईदगाह मैदान पर लगभग दस हजार नमाजी मोजुद थे। जिसके चलते भारी भीड़ थी।

कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। गुर्जर आरक्षण आंदोलन के प्रणेता और समाजसेवी कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को झिलाई रोड स्थित वीर गुर्जर छात्रावास में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। गुर्जर समाज के लोगों ने उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कर्नल बैंसला के समाज में किए गए योगदान को याद किया और उनके संघर्षों की सराहना की। इस दौरान निवाई पंचायत समिति के वर्तमान प्रधान रामावतार लांगडी, मांगीलाल गुर्जर (पूर्व प्रधान प्रतिनिधि), शंकर जी पडिहार, भाजपा नेता श्योजी राम फौजी, गोपीचंद डीलर, हरिप्रसाद विधूड़ी, वीर गुर्जर छात्रावास संस्था के अध्यक्ष रामभजन गुर्जर, महामंत्री गिरिराज गुर्जर प्रधानाचार्य, देवनारायण मंदिर ट्रस्ट जोधपुरिया के पूर्व महामंत्री रामकिशन बहादुरपुरा, राजस्थान एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव देवनारायण गुर्जर, शिक्षक संघ राष्ट्रीय के पूर्व अध्यक्ष शिवराज चौहान, राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्राप्त शारीरिक शिक्षक रामकिशन जीवली, युवा नेता आशाराम डोई, जगदीश लांगड़ी, कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद के ब्लॉक अध्यक्ष जंसी लाल पोसवाल देवा लाल चौहान खिड़गी, रामविलास पोसवाल सहायक प्रशासनिक अधिकारी, प्रधानाचार्य राजेश गुर्जर, सुरेश कुमार हर्षल, रामेश्वर मडालिया, बाबू लाल पोसवाल बस्सी, रामलखन बैसला, हनुमान फागण, हनुमान खाजपुरा भागचंद गुर्जर, हरिराम हर्षल,आदि उपस्थित थे। समारोह का संचालन व्याख्याता गिरिराज डोई लुहारा, द्वारा किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने स्वर्गीय श्री कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला द्वारा समाज व राष्ट्र हित में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला।

धूमधाम से मनाया गया ईद का त्योहार नमाज अदा कर मांगी अमन चैन की दुआ

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। ईद उल फितर का त्योहार हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह से ही नमाज अदा करने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने खुदा से अमन-शांति और खुशहाली की दुआ मांगी। ईद उल फितर के त्योहार पर मुस्लिम समाज के लोग नए कपड़े पहन कर इत्र खुशबू लगाकर ईदगाह में नमाज अदा करते हैं। सोमवार को ईद उल फितर की नमाज जयपुर रोड स्थित जमात ईदगाह पर हाफिज अब्दुल्ला बलवा ने 8.30 पर अदा करवाई। वहीं पटेल रोड स्थित जलेबी मस्जिद में हाफिज स्माइल साहब द्वारा 8.30 बजे नमाज अदा करवाई। नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

वही जलेबी मस्जिद में भाजपा व कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों ने मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की बधाईयां दी। ईद उल फितर पर मुस्लिम समाज के घरों में अनेक पकवान बनाये जाते है। जिसमें महत्वपूर्ण सेवइंयों की खीर सभी आने वाले मेहमानों को खिलाई जाती है। वहीं छोटे बच्चों को उपहार स्वरूप ईदी बड़े लोगों द्वारा दी जाती है। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। ईद की नमाज के दौरान जयपुर रोड ईदगाह में निवाई पुलिस उपाधीक्षक, मृत्युंजय कुमार मिश्रा, थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा जाप्ते सहित व्यवस्थाओं को संभाले हुए थे।इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी,पूर्व विधायक कमल बैरवा,पूर्व सरपंच श्रीराम चौधरी, राजू मलावत, पृथ्वीराज टाटावत, इरशाद कुरैशी,पार्षद दयाराम चौधरी,हाजी बरकत अली सहित सैकड़ों मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे।

राजस्थान स्थापना दिवस : बिखरे राजस्थान संस्कृति के रंग

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग द्वारा विरासत एवं सांस्कृति के पर्व राजस्थान स्थापना दिवस (30 मार्च) रविवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कृषि उद्यानिकी एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अध्यक्षता एवं नगर परिषद सभापति मेघा वर्मा की उपस्थिति में रविवार को दशहरा मैदान में हुआ। कृषि मंत्री डॉ मीना, सभापति मेघा वर्मा, जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वन्दना से पूर्वाक्षी अग्रवाल द्वारा की गई। इसके पश्चात स्टेप बाई स्टेप माध्यमिक विधालय की बालिकाओं द्वारा राजस्थान लागे प्यारों, मोंटेसरी पब्लिक स्कूल सवाई माधोपुर एवं रणथम्भौर चिल्ड्रन ऐकेडमी बालिकाओं द्वारा राजस्थानी फॉक डांस, सेन्ट एंसलम स्कूल की प्रति कसेरा एण्ड पार्टी द्वारा भरत नाट्यम, मोंटेसरी पब्लिक स्कूल सवाई माधोपुर के बालकों द्वारा मिलिट्री सोंग, भवानीशंकर मीणा एण्ड पार्टी व रामेश्वर प्रदास मीण एण्ड पार्टी छारोदा मीणा सुड्डा, बाबूलाल सोनी एण्ड पार्टी करवार द्वारा पंछीडा नृत्य एवं कच्ची घोड़ी अलागोजा नृत्य पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

विजेताओं को किया सम्मानित : इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से आयोजित रन फॉर फिट राजस्थान दौड़ के विजेताओं पुरुष सीनियर वर्ग में विकास गुर्जर पहले, शिवराज गुर्जर दूसरे और बलराम चौधरी तीसरे स्थान, महिला सीनियर वर्ग में नंदिनी शर्मा पहले, अवनिका सिंह दूसरे ,पुरुष जूनियर वर्ग नरेंद्र पहले, रोहन वर्मा दूसरे और प्रियदर्शन तीसरे स्थान के लिए विजेताओं को जिला कलक्टर शुभम चौधरी द्वारा स्मृति चिन्ह् देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वां, उपनिदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह, नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा, तहसीलदार नीरू सिंह, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्काउट-गाइड के विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मीना शर्मा ने किया।

निकाय चुनाव : भाजपा सरकार तानशाही पूर्वक कर रही परिसीमन : भारद्वाज

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। भाजपा की ओर से नगर निकाय चुनाव के लिए तानाशाही पूर्वक परिसीमन किया जा है। इसका कांग्रेस की ओर से विरोध किया जाएगा। यह बात गत दिवस सर्किट हाउस रोड स्थित एक मैरिज गार्डन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान सवाईमाधोपुर के कांग्रेस जिला प्रभारी पुष्पेंद्र भारद्वाज ने कही। वे गत दिवस जयपुर से यहां पहुंचे। उन्होंने यहां के कई मुद्दों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा सरकार की ओर से किए जा रहे परिसीमन का सवाईमाधोपुर में आगामी दिनों में विरोध-प्रदर्शन देखने को मिलेगा। देश में वन नेशन, वन इलेक्शन होने चाहिए। इसके नाम पर भाजपा ने स्थानीय निकाय के चुनाव एक साल के लिए टाल दिए हैं। भाजपा ने यहां चुनाव टालकर जनप्रतिनिधियों की जगह प्रशासक नियुक्त किए हैं। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकास कार्य अटक गया है। सरकार की ओर से गाइडलाइन जिला कलक्टर, एसडीएम और ईओ को भेजी गई है। इसके अनुसार परिसीमन होना है। भाजपा ने पार्टी के राजेन्द्र राठौड़, अरुण चतुर्वेदी और घनश्याम तिवाड़ी की एक कमेटी बनाई है। जो अपने स्तर पर जिलों में कमेटी बनाकर भेज रहे हैं, जो अधिकारियों पर दबाव बनाकर अनुचित परिसीमन करवा रहे हैं। जो भाजपा सरकार की ओर से मनमानीपूर्ण तरीके से किया जा रहा है। उसका कांग्रेस विरोध करती है।

सामाजिक कार्यक्रमों में हुए शामिल : पुष्पेंद्र भारद्वाज ने अपने दौरे के दौरान बाल मंदिर कॉलोनी में आयोजित एक सामूहिक सुंदरकांड पाठ के कार्यक्रम में भाग लिया। इसके बाद शाम को हुए एक निजी कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

वृताधिकारी आशिष प्रजापत को मिला जिला रत्न का सम्मान

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा पुलिस प्रशासन के अधिकारी और वृताधिकारी के पद पर कार्यरत राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी आशिष प्रजापत को जिला रत्न के सम्मान से सम्मानित किया गया है। सोमवार को जिला मुख्यालय पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश के जलदाय मंत्री व मालपुरा टोडारायसिंह विधानसभा क्षैत्र के विधायक कन्हैयालाल चौधरी रहे। समारोह सम्मानीय अतिथि के रूप में पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जोनापुरिया, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह रहे। समारोह के दौरान श्रेष्ठ कार्य करने वाले व लोकसेवक के रूप में श्रेष्ठ सेवाऐं प्रदान करने वाले अधिकारियो को जिला रत्न की उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि जब से आशिष प्रजापत ने मालपुरा सीओ का पदभार संभाला है तब से लेकर अब तक अपराधो पर नियन्त्रण के साथ साथ अपराधियो की धड़पकड़ में काफी श्रेष्ठता हासिल की है। स्वभाव से हंसमुख एवं आम जन के साथ घुलमिल कर बात करने वाले, बात सुनने वाले प्रजापत ऐसे अधिकारी है जिनके पास हर आम जन भी अपनी समस्याऐं रखने अथवा अपनी बात रखने में किसी भी प्रकार हिचकिचाहट नहीं रखता है। इसके अलावा प्रजापत आम जन की समस्याओं को सुनने के लिए हर समय तैयार रहते आए हैं।

ईदगाह पर नमाजियों पर पुष्प वर्षा कर दिया भाई चारे का पैगाम

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। देशभर में सोमवार को ईद उल फितर का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में सवाई माधोपुर में भी ईद उल फितर पर सोमवार को बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग जिला अस्पताल के पीछे ईदगाह पर नमाज अदा करने पहुंचे।

ईदगाह पर हजारों मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा कर देश में भाई चारे ओर अमन चैन की दुआ मांगी।इस अवसर पर नमाज पढ़ने आने वाले लोगो के लिए टीम वतन फाउंडेशन के सनातनी साथियों द्वारा नमाजियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।टीम के उपाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया एवं संरक्षक राजेश शर्मा ने बताया कि आज सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय के जिला अस्पताल के पीछे ईदगाह पर हजारों मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा कर अमन चैन और भाई चारे को लेकर दुआ मांगी।वही वतन फाउंडेशन टीम के सनातनी साथियों द्वारा नमाजियों पर गुलाब की वर्षा कर भाई चारे का संदेश दिया गया।वही ईदगाह पर नमाज पढ़ने आने वाले लोगों को मीठा शर्बत और ठंडा पानी पिलाकर सेवा कर एक मिसाल पेश करी।इस अवसर पर सनातनी साथियों ने मुस्लिमों को गले लगाकर ईद की शुभकामनाएं भी दीं।

घासीलाल चौधरी ने कांग्रेसजनो के साथ किए सिंधोलिया माताजी के दर्शन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा क्षैत्र के कांग्रेसीनेता एवं विधानसभा चुनावो में कांग्रेस के प्रत्याशी घासीलाल चौधरी ने कांग्रेसजनो के साथ पैदल मार्च करते हुए सिंधोलिया माताजी पहुंच कर दर्शन कर खुशहाली एवं सुख सुमृद्धि की कामना की। मालपुरा क्षैत्र के कांग्रेसीनेता एवं विधानसभा चुनावो में कांग्रेस के प्रत्याशी घासीलाल चौधरी सोमवार को राजस्थान विश्व विद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष रहे निर्मल चौधरी के साथ मालपुरा क्षैत्र के प्रवास पर रहे। इस दौरान काग्रेसजनो ने चौधरी का कई स्थानो पर अगवानी कर स्वागत किया। वहीं अंत घासीलाल चौधरी रूपाहेली गांव से कांग्रेसजनो के साथ पैदल यात्रा कर सिंधोलिया माताजी के दरबार में पहुंचे। यहां पहुंचने पर विकास समिति द्वारा अगवानी कर स्वागत सम्मान किया। वहीं घासीलाल चौधरी ने इस दौरान चैत्रीय नवरात्रा के पावसन अवसर पर सिंधोलिया माताजी के दरबार में पहुंच कर मत्था टेककर आर्शिवाद मांगा।

30 साल से बंद रास्ता खुला तो 10 किलोमीटर कम हो गई लसाड़िया से चकवाड़ा की दूरी

- जिला प्रशासन आसान की 863 राहें, विगत एक सप्ताह में 63 रास्ते खुलवाए
- बरसों पुराने रास्ते खुलवाए जाने पर ग्रामीणों ने जताया जिला प्रशासन का आभार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर जयपुर जिले में संचालित रास्ता खालो अभियान अब ग्रामीणों के लिए वरदान बनता जा रहा है। फागी के लसाड़िया पंचायत के गड़ूड़ा से चकवाड़ा तक की दूरी 10 किलोमीटर कम हुई तो करीब 5 हजार ग्रामीणों की राह आसान हो गई। प्रशासन ने ना केवल 30 साल पुराना रास्ता खुलवाया बल्कि इस रास्ते पर ग्रेवल सड़क बनाने का भी काम जारी है। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह 3 रास्ते खुलवाए जा रहे हैं। रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 63 रास्ते खुलवाए गए। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज साढ़े 4 महीनों में गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े 863 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है। नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 15 नवंबर 2024 से 28 मार्च 2025 तक अभियान के तहत जिले में फागी तहसील में सर्वाधिक 70 रास्ते खुलवाए गए हैं। जिनमें से 40 रास्तों पर ग्रेवल सड़क बनाये जाने का कार्य जारी है। वहीं, 2 रास्तों पर ब्लॉक सड़क का निमार्ण कार्य जारी है। वहीं, अभियान के तहत जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 56 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 38 रास्ते, आंधी तहसील में 34 रास्ते, बस्सी तहसील में 41 रास्ते, तूंगा तहसील में 39 रास्ते खुलवाए गए। वहीं, शाहपुरा तहसील में 56 रास्ते, जोबनेर तहसील में 55 रास्ते, किशनगढ़-रेनवाल तहसील में 45 रास्ते, फुलेरा तहसील में 49 रास्ते, रामपुरा-डाबड़ी तहसील में 32 रास्ते, जालसू तहसील में 26 रास्ते, चौमूं तहसील में 56 रास्ते, सांगानेर तहसील में 21 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने ने बताया कि चाकसू तहसील में 51 रास्ते, कोटखावदा तहसील में 33 रास्ते, माधोराजपुरा तहसील में 46 रास्ते, दूदू तहसील में 49 रास्ते एवं मौजमाबाद तहसील में 54 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है। वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं। ऐसे प्रकरणों में निरन्तर बढ़ोतरी होने से आमजन को न्यायालय के चक्कर लगाने एवं जन-धन की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसलिए प्रशासन ने रास्ते सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया।

रामाज् रिसोर्ट के ओनर मोहित कुमार टेलर को 'टोंक के रत्न' अवार्ड से नवाजा गया

बढ़ता राजस्थान

टोंक/ चाकसू। (रामाज् रिसोर्ट के ओनर मोहित कुमार टेलर को 1st इंडिया न्यूज् द्वारा 'टोंक के रत्न' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें टोंक जिले में पर्यटन और आतिथ्य सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह आयोजन फर्स्ट इण्डिया न्यूज के पवन अरोड़ा- द्वारा किया गया, जिसमें नगर परिषद टोंक (पेड़ लगाओ, खुशहाली लाओ) और नगर पालिका देवली (जल है तो जीवन है) ने समर्थन दिया। इस भव्य सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि कार्यक्रम में पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, विधायक रामसहाय वर्मा, जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा, पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, जिला प्रमुख सरोज़ नरेश बंसल, भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। गणमान्य अतिथियों ने मोहित कुमार टेलर की उपलब्धियों की सराहना की और टोंक जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

रामाज् रिसोर्ट लगातार अपनी अतिथि सेवा और सुविधाओं के माध्यम से क्षेत्र में एक नया मानदंड स्थापित कर रहा है। यह न केवल स्थानीय बल्कि बाहरी पर्यटकों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण बन चुका है।

इस उपलब्धि पर रामाज् रिसोर्ट की पूरी टीम और स्थानीय लोगों ने मोहित कुमार टेलर को शुभकामनाएं दीं। इस सम्मान को प्राप्त कर उन्होंने आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह पुरस्कार उन्हें और बेहतर सेवाएं देने की प्रेरणा देगा ।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव : नगर परिषद कार्यालय में जिला स्तरीय सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन

राजस्थानी कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय नगर परिषद कार्यालय में रविवार शाम को जिला स्तरीय सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत व नगर परिषद सभापति पुष्पा सैनी ने शिरकत की। जिला स्तरीय सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय राजस्थानी कलाकारों ने मंच पर गौरवशाली कला के रोचक रंगों को उकेरा। मीना सपेरा एंड पार्टी द्वारा चरी, कालबेलिया एवं घूमर नृत्य, प्रभूदयाल एंड पार्टी द्वारा पद दंगल गीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। साथ ही प्रसिद्ध भपंग वादक नूरद्दीन मेवाती द्वारा भपंग वादन की भी प्रस्तुतियां दी गई।

कवियों ने बिखेरे विभिन्न रसों के रंग : इस दौरान डॉ. रमाकांत सुमन ने हास्य रस, गुरुदयाल भारती ने वीर रस, डॉ. रामसिंह जिद्दी ने श्रृंगार रस की कविताओं से श्रोताओं का मन मोहा। वहीं धुड़ाराम पदम एवं महेश जिज्ञासु ने भी अपनी विरली कविताओं के माध्यम से जनसभा को मनोरंजित किया। इस दौरान अतिथियों ने कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में भव्य आतिशबाजी भी की गई। इस मौके पर एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश कुमार चौधरी, डीएसपी राजेन्द्र बुरडक़, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट, नगर परिषद एक्सईएन दीपक मीणा सहित अन्य अधिकारीगण एवं भारी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।मुख्यमंत्री की घोषणा पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर हर्षोल्लास से मनाया गया राजस्थान दिवस -चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (30 मार्च) को प्रदेश भर में राजस्थान दिवस उत्साह एवं उमंग से मनाया गया। सभी जिलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिनमें जनसमूह ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। मंदिरों में विशेष आरती का आयोजन हुआ और प्रदेशवासियों ने अपने घरों पर दिये जलाकर राजस्थान दिवस हर्षोल्लास से मनाया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस बार से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन राजस्थान दिवस मनाने की घोषणा की है। शर्मा ने कहा है कि संवत् 2006 (30 मार्च 1949) को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने वृहद् राजस्थान का उद्घाटन किया था।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत जिला स्तरीय निवेश उत्सव आयोजित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की 3 लाख करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट्स की ग्राउंड ब्रेकिंग

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में राज्य सरकार प्रदेशभर में साप्ताहिक महोत्सव आयोजित कर रही है। इसी कड़ी में सोमवार को राजस्थान दिवस पर जयपुर में निवेश उत्सव राइजिंग राजस्थान इंपैक्ट 1.ह्न का आयोजन किया गया।इसी क्रम में जिला स्तरीय निवेश उत्सव का आयोजन पंचायत समिति कार्यालय सभागार में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम वर्चुअली राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित रहा।जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत जिले में 266 एमओयू किए गए हैं जिसके तहत जिले में 17500 करोड़ के रुपए के निवेश होने हैं, जिनमें से 59 की ग्राउंड ब्रेकिंग की गई है। जिसके तहत 1692 करोड़ रूपये के निवेश हुए हैं एवं करीब 3500 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। इसके साथ ही 26 एमओयू का क्रियान्वयन किया गया है जिसके तहत 700 करोड़ रूपये का निवेश किया गया है एवं 1500 लोगों को रोजगार प्राप्त हो चुका है।100 से अधिक एमओयू प्रक्रियाधीन है जिनकी जल्द ही ग्राउंड ब्रेकिंग में आने की संभावना है।कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर ओम प्रकाश सहारण, उपखंड अधिकारी नीमराना महेंद्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी राम सिंह यादव, वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक राहुल भट्ट,सहायक आयुक्त हिमांशु जोशी,जिला उद्योग अधिकारी दिलखुश मीणा, राकेश गुर्जर सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, उद्योगपति एवं उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं रिको टीम उपस्थित रही।

ईद पर शरबत वितरण कार्यक्रम 36 वर्षों से जारी परंपरा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। ईद के मुबारक मौके पर अमृतपुरी घाट गेट कब्रिस्तान (गेट नंबर 2) पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को शरबत पिलाया गया। यह कार्यक्रम पिछले 36 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद कब्रिस्तान आने वाले श्रद्धालुओं को फातिहा पढ़ने के बाद ताजगी प्रदान करना है। इस परंपरा की शुरुआत अमृतपुरी के कुछ समाजसेवकों और नौजवानों ने मिलकर की थी। इस वर्ष भी कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजसेवी और आयोजनकर्ता कलीम ठेकेदार और उनकी पूरी टीम ने पूरी मेहनत की। कार्यक्रम की सरपरस्ती मोहम्मद नसीम अंसारी, मोहम्मद इब्राहिम अंसारी और पत्रकार बाबू अंसारी के नेतृत्व में की गई। इस अवसर पर स्थानीय निवासी अब्दुल सईद अंसारी, पटेल शाकिर हुसैन अंसारी और साजिद हुसैन अंसारी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ईद के इस पावन अवसर पर भाईचारे और एकता का संदेश फैलाते हुए लोग एक-दूसरे से गले मिलकर बधाइयाँ देते नजर आए। शरबत वितरण केवल प्यास बुझाने का माध्यम नहीं, बल्कि यह समाज में आपसी प्रेम और एकता को भी प्रबल करता है। स्थानीय समुदाय ने इस प्रयास की सराहना की और इसे सामाजिक सद्भाव का प्रतीक माना। इस तरह के कार्यक्रम हमारी सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाते हैं और एकजुट होकर एक-दूसरे की मदद करने की प्रेरणा देते हैं।

वैष्णव बैरागी समाज की बैठक संपन्न, सामूहिक विवाह सम्मेलन पर हुई चर्चा

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। योगेश मुक बधिर संस्था में बुद्धिप्रकाश वैष्णव सोलनपुरा की अध्यक्षता में वैष्णव बैरागी समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वैष्णव विकास परिषद मुंबई के सानिध्य में 12 मई पीपल पूर्णिमा को निवाई तहसील में प्रथम निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन को लेकर विभिन्न समितियों का गठन किया गया और समाज के लोगों से तन मन धन से सहयोग करने का आह्वान किया। सम्मेलन अध्यक्ष गुलाब वैष्णव खंडवा ने सभी गठित कार्यकारिणी का स्वागत किया। बैठक में कैलाश वैष्णव कुंड, रमेश वैष्णव डारडा हिंद, बुद्धिप्रकाश वैष्णव सोलनपुरा, शिवजीराम वैष्णव गौहरपुरा, कैलाश वैष्णव, खेमराज वैष्णव पहाड़ी, सीताराम वैष्णव बरौनी, सुरेश वैष्णव देवपुरा, भंवर वैष्णव करीरिया, देवेंद्र वैष्णव राहोली, नरेश वैष्णव खेड़ीमानपुर, सीताराम निवाई, राधेश्याम वैष्णव सिरोही, कमल वैष्णव बगड़ी व भामाशाह ने अशोक वैष्णव बनेडिया माधोपुर सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

हजारों की संख्या में मुस्लिम भाइयों ने अदा की ईद- उल फितर की नमाज

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। कस्बे के दिल्ली दरवाजा में ईद उल फितर का त्योहार बड़े ही हर्षउल्लास से मनाया गया ईद का पर्व बहुत ही शान शोकत से मनाया जाता है, शहर में ईद की नमाज तीनों मस्जिदों में अदा की जाती है, बहादुर शाहगाजी मस्जिद में इमाम असपाक साहब ने एवं दिल्ली दरवाजा सराय वाली मस्जिद में मोलाना हनीस अहमद ने ईद उल फितर की नमाज अदा कराई, तीनों मस्जिदो के मोलवीयो नमाज के बारे में बताया ईद उल फितर की नमाज रमजान पवित्र माह आता है, तीस रोजे रखने के बाद ईद का चांद दिखाई देता है, उससे अगले दिन ईद उल फितर का पर्व मनाया जाता है, नवाज से पहले सभी मुस्लिम भाई फितरा अदा करते हैं, एवं जकात अदा की जाती है उसके बाद ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज अदा होती है, शाही ईमाम अशफाक साहब ने मुल्क में अमन और चैन एवं आपसी भाईचारा कायम रहे दुआ मांगी, शांति नमाज सही समय पर अदा की गई, सभी मुस्लिम भाइयों ने मदरसा बनने कार्य में बड चढ़कर हिस्सा लिया एवं कोटपुतली शहर में मुस्लिम मदरसा की तामीर की जा रही है, जिसमें बच्चों को पढ़ाने में बहुत आसानी होगी, शहर के लड़के लड़कियों को बहार पढ़ने के लिए नहीं जाना होगा, सभी मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे को गले लगकर ईद उल फितर की मुबारक पेश की, आपसी सहयोग एवं भाईचारे की मिसाल कायम की, इस मौके पर सदर इरफान कुरैशी, जावेद कुरैशी, हनीफ कुरैशी, हाजी सद्दीक मोहम्मद, नासीर खान, इशाक खान बीमा वाले, रफीक खान, हाजी सलीम लुहार, शोकत खान, अलीमुदीन मास्टर, एडवोकेट इस्माइल, जियालाल मास्टर, नाजिम खान, आसीन खान, शाहरुख टांक, सद्दाम हुसैन, नईम खान, शहजाद कुरैशी आज़ाद कुरैशी, इलियास खान, आदि लोग मौजूद रहे।

फुलेरा नगर पालिका द्वारा निकाली गई गणगौर की सवारी

बढ़ता राजस्थान

फुलेरा (नि.स.)। फुलेरा नगर पालिका के द्वारा श्रीरामनगर स्थित बालाजी की बगीची से गणगौर की भव्य सवारी निकाली गई। गणगौर की सवारी नगर के प्रमुख मार्गों से भृमण करते हुए गणगौरी बाजार मुख्य मेला स्थल पहुंची। यहां महिलाओं द्वारा गणगौर की पूजा अर्चना की गई एवं भव्य आतिशबाजी की गई। इस मौके पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमरचंद सैनी, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, पार्षद सरदार सिंह चौधरी, मदन गढ़वाल,जितेंद्र वर्मा,आशा सैनी, पूजा भाटी,प्रमोद मीणा,यतेंद्र झाकड़ा,धर्मेंद्र सैनी, पूनम कुमावत,शैलेन्द्र शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न धार्मिक संस्थानों के कार्यक्रमों का किया पोस्टर विमोचन

मुख्यमंत्री ने आयोजकों को दी शुभकामनाएं तथा संस्थानों के प्रयासों की सराहना की

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न धार्मिक संस्थानों द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया। शर्मा से महामण्डलेश्वर मनोहरदास जी महाराज ने मुलाकात की। इस दौरान 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले सप्तदिवसीय हनुमत् जन्मोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री ने 10 अप्रैल को महावीर जयंती के अवसर पर राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित होने वाली एक जुलूस एक हम, आओ करे महावीर वन्दन शोभायात्रा तथा श्री बड़ के बालाजी के 88वें वार्षिक मेले के पोस्टर का विमोचन भी किया।

इस दौरान इन संगठनों ने अपने कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए संगठनों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुनी जनता की समस्याएं, अधिकारियों को दिए शीघ्र निस्तारण के निर्देश

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति से आत्मीयता से मुलाकात की तथा संवेनदशीलता के साथ जनता की समस्याओं को सुना। श्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से संबंधित समस्याएं सुनी तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादी को राहत दी। जनसुनवाई के दौरान आमजन ने श्री शर्मा का दुपट्टा ओढ़ाकर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बिजनेस सिमुलेशन में संगम यूनिवर्सिटी के छात्र राष्ट्रीय विजेता

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। संगम यूनिवर्सिटी के छात्रों ने ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा कोयंबटूर, तमिलनाडु में आयोजित राष्ट्रीय बिजनेस सिमुलेशन गेम्स प्रतियोगिता में विजेता और रनर-अप का खिताब जीतकर विश्वविद्यालय और राजस्थान का नाम रोशन किया।प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे एमआईटी-पुणे, डीबीएस-दिल्ली, आरआईटी-रुड़की, एएसबी-हैदराबाद, एसबीएस-अहमदाबाद, जेजीआई-बेंगलुरु, एलएनसीटी-भोपाल सहित 150 से अधिक महाविद्यालय-विश्वविद्यालयों की टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।राष्ट्रीय विजेता टीम में नवांश जागेटिया, प्रियांशु राठी, नीति व्यास रहे । उपविजेता टीम में नंदिनी टिबरेवाल, कुमकुम शर्मा, आर्यन साहनी और दीपक यादव रहे द्यटीम मैनेजर निकिता राठौड के साथ फाइनल में रुद्र सिंह और योगेश यादव ने भी शानदार प्रदर्शन किया।ऐतिहासिक जीत पर संगम ग्रुप के चेयरमैन श्री रामपाल सोनी ने छात्रों को शुभकामनायें दी । संगम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने छात्रों की इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे असाधारण रणनीतिक और विश्लेषणात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन बताया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय पिछले 2 सालों से लगातार छात्रों के प्रशिक्षण और मेहनत को दिया।गौरतलब है की प्रो. करुणेश सक्सेना के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के छात्रों ने विगत वर्षों में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विजेता रही है।

मुला माता मंदिर पर चैत्र नवरात्रि मेले के प्रथम दिवस भक्तों ने महाभंडारे में प्रसाद एवं रंगमंच पर बगड़ावत मंचन का लुत्फ उठाया

प्राचीन शक्तिपीठ पर आज एवं कल भव्य भजन संध्या के साथ होगा माताराणी की भक्ति का संचार

बढ़ता राजस्थान

कपासन (सुनील कुमार डभाड़ीया)। नगर के राजमार्ग समीप स्थित पुरातात्विक महत्व के शक्तिपीठ मूला माता मंदिर पर चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित नो दिवसीय भव्य धार्मिक मेले का रविवार को धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विधि-विधानपूर्वक किया गया। मूला माता मंदिर कपासन ट्रस्ट अध्यक्ष सत्यनारायण आचार्य ने बताया कि नो दिवसीय चैत्र नवरात्रि मेले के प्रथम दिवस मेले के रंगमंच पर रविवार रात्रि भव्य बगड़ावत मंचन कार्यक्रम आयोजन किया गया।जिसमे मुख्य कलाकार बालूराम गाडरी सिंदेसर,सहगायक मधुलाल गुर्जर आदि कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी गयी।इससे पूर्व मुला मंदिर ट्रस्ट सदस्यों द्वारा मंच पर कलाकारों का स्वागत अभिनंदन किया गया।

इधर मंदिर ट्रस्ट सदस्य मुकेश आचार्य ने बताया कि मुला माता मंदिर पर आयोजित नो दिवसीय धार्मिक मेले के शुभारंभ बाद पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट, नगर पालिका कपासन अध्यक्ष मंजुदेवी सोनी,डॉ. राम सिंह चुंडावत,नपाक पार्षद वंदना दाधीच,रोशन सोनी, युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास बारेगामा,नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि आशीष सोनी द्वारा मेले की संपूर्ण व्यवस्थाओ का अवलोकन कर सुनियोजित व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया गया।

मेले प्रथम दिवस मुला माताराणी के दर्शनों एवं रंगमंच पर आयोजित बगड़ावत मंचन देखने आसपास एवं समीपवर्ती क्षेत्रों से भक्त एवं मेलार्थियों ने पहुंचकर माताराणी के दर्शन प्राप्त किये।साथ ही चैत्र नवरात्रि मेले में आगंतुक श्रद्धालुओ द्वारा महाभंडारे में उपलब्ध मुला माताराणी का प्रसाद ग्रहण किया गया।

उल्लेखनीय है कि नगर कपासन के राजमार्ग स्थित पुरातात्विक महत्व के प्राचीन शक्तिपीठ मुला मंदिर रंगबिरंगी एवं आकर्षक विद्युत सज्जा तथा मंदिर मार्ग पर लगे स्वागत द्वार भक्तों एवं मेलार्थियों में आकर्षण केंद्र रहे।यहां चैत्र नवरात्रि के नो दिन तक संचालित महाभंडारे का समय सांय 5 से रात्रि 10 बजे रहेगा।जिसमे भक्तों एवं श्रद्धालुओं को मिला माताराणी के प्रसाद का लाभ मिलेगा।मुला माता मंदिर ट्रस्ट द्वारा ग्रीष्मकाल के मद्देनजर आगंतुक श्रद्धालुओ एवं मेलार्थियों हेतु छांया-पानी की माकूल व्यवस्थाओ का सुनियोजित प्रबंध किया गया

है।जिससे मेलार्थियों एवं श्रद्धालुओं को समस्याओं ना हो।साथ ही सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन तथा मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गये है।यहां 1 अप्रैल गोपाल राव कांकरोली एवं 2 अप्रैल रात्रि मेले के रंगमंच पर जय म्यूजिकल ग्रुप निंबाहेड़ा द्वारा भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा।

सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना कर गणगौर की पूजा की

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (आबिद हुसैन)। राजस्थान का प्रमुख पर्व गणगौर जो 18 दिनों तक चलता है इसमें महिलाएं कुंवारी लड़कियों ईसर गणगौर की पूजा करती है जिसका संबंध भगवान शिवजी व पार्वती से होता है। इस बीच महिलाएं युवतियां द्वारा अलग अलग जगहों पर गणगौर के गीत रखे जाते है जिसके तहत चौमहला नगर में सुहागिन महिलाओं व कुंवारी युवतियों द्वारा गणगौर तीज पर्व पारंपरिक तरीके से नगर के श्रीराम हनुमान मंदिर, अग्रवाल धर्मशाला व गणगौर उजमन महिलाओं के घर पर ईसर गणगौर शिव पार्वती की पूजा कर लोकगीत गायन कर बनाया गया वही सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना तो कुंवारी युवतियों ने अच्छे जीवनसाथी की मंगलकामना की। वही नगर के अग्रवाल समाज की महिलाओं द्वारा कई दिनों से गणगौर की पूजन गीत कार्यक्रम आयोजित किए गए व सुहागिनों द्वारा पारंपरिक वेष भूषा के साथ एकत्रित होकर ईसर गौर को बीच में रख गणगौर के गीत व नृत्य कार्यक्रम किए गए व एक दिन पूर्व महिलाओं ने सिंजारा पर्व को पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया,सुहागिनों ने सोलह श्रृंगार कर मेंहदी लगाई व लोकगीत गाकर पर्व का आनंद लिया व आज गणगौर की पूजन एक साथ एकत्रित होकर विधि विधान के साथ की गई व समाज की गणगौर उजमन कर रही महिलाओं के परिजनों द्वारा अग्रवाल समाज का सामूहिक भोजन रखा गया।

रीको ग्रोथ सेंटर स्वरूपगंज में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (जनता क्लिनिक) का शुभारंभ

सांसद दामोदर अग्रवाल ने किया उद्घाटन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको ग्रोथ सेंटर, स्वरूपगंज में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (जनता क्लिनिक) का शुभारंभ किया गया। इस क्लिनिक का उद्घाटन सांसद दामोदर अग्रवाल ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी. पी. गोस्वामी सहित जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कार्मिक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद दामोदर अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनता क्लिनिक का उद्घाटन करना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह क्लिनिक क्षेत्र के निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करेगा और उनके जीवन को बेहतर बनाएगा। यह संस्थान आमजन को किफायती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

अधिकारी डॉ. सी. पी. गोस्वामी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भीलवाड़ा जिले में कुल 14 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (जनता क्लिनिक) संचालित किए जा रहे हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से क्षेत्र की आम जनता को निःशुल्क एवं सहज चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हो रही हैं। भीलवाड़ा जिले में संचालित जनता क्लिनिक पुलिस लाइन, आजाद नगर, पुर, जवाहर नगर (लेबर कॉलोनी), धंधोलाई, गांधी नगर, कोली मोहल्ला (पंचमुखी दरबार के पास), वार्ड नंबर 24 (बोरानी जहाजपुर), मुख्य बाजार (गंगापुर), सिटी डिस्पेंसरी (मांडलगढ़), सामुदायिक भवन (गुलाबपुरा), सामुदायिक भवन (गोविंदपुरा, आसींद), पुराना जनाना अस्पताल (कालिंजरी गेट, शाहपुरा) तथा रीको ग्रोथ सेंटर (स्वरूपगंज) में संचालित किए जा रहे हैं।

इन स्वास्थ्य केंद्रों के संचालन से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की जनता को प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएँ, निःशुल्क परामर्श एवं आवश्यक दवाएँ सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और आमजन को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है।

बूंदी में धूमधाम से मनाया गया गणगौर पर्व, सुहागिन महिलाओं ने की अपने पति की लंबी उम्र की कामना

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। प्रदेश भर में महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु की कामना को लेकर मनाए जाने वाला गणगौर का त्यौहार बड़े ही धूमधाम से बूंदी में भी मनाया गया । शहर भर में अलग-अलग स्थान पर महिलाएं 16 श्रृंगार कर ईश्वर गणगौर की पूजा के लिए मंदिरों में गई और ईश्वर गणगौर से अपने पति की लंबी उम्र की कामना को लेकर पूजा की । इस त्यौहार पर कुंवारी लड़कियां भी ईश्वर गणगौर की पूजा इसलिए करती हैं ताकि उनको अच्छा वर मिल सके, यह त्यौहार सुहागन महिलाओं के साथ-साथ कुंवारी कन्याओं के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पर 16 दिन तक मनाया जाता है जिसमें ईश्वर गणगौर को अनेकों प्रकार से रिझाने का कार्य किया जाता है, और अपनी सुहाग की लंबी उम्र की कामना की जाती है। इस दौरान शादी के बाद पहली बार गणगौर त्यौहार पर अपने पति की लंबी आयु की कामना को लेकर कई महिलाओं ने भी पूजा अर्चना की वह गणगौर से सुख समृद्धि व अमर सुहाग को लेकर प्रार्थना की । इस अवसर पर महिलाएं गुणों का भोग ईश्वर गणगौर को लगती हैं। समाजसेविका अधिवक्ता दिव्या डोगरा ने भी शादी के बाद पहली बार गणगौर की पूजा की कहां की यह पर सभी सुहागिन महिलाओं के लिए उत्साह उमंग लेकर यह त्यौहार आते हैं। इस अवसर पर समता दाधीच , , निर्मला नामा, ममता अजमेरा, रिंकू , संजू शर्मा , अनुराधा शर्मा, मीनाक्षी शर्मा, चयनिका शर्मा , बिट्टू , कविता , इंद्रा, रानी माहेश्वरी, अनीता वर्मा , गंगा देवी सहित कई महिलाएं ने ईश्वर गणगौर की पूजा की।

फर्जी पट्टे जारी करने के मामले में मंगलवाड़ सरपंच गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

- अन्य पट्टा बुक से फर्जी हस्ताक्षर कर जारी किए पट्टे।
- डूंगला ग्राम विकास अधिकारी द्वारा कराया गया प्रकरण दर्ज
- दो दिन के पुलिस रिमाण्ड पर

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। ग्राम पंचायत मंगलवाड़ में लोगों को ग्राम विकास अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर कर फर्जी पट्टे जारी करने के मामले में मंगलवाड़ थाना पुलिस ने मंगलवाड़ के सरपंच/प्रशासक को गिरफ्तार किया है। सरपंच ने अन्य पट्टा बुक पर फर्जी हस्ताक्षर कर कई लोगो को फर्जी पट्टे जारी किए। सरपंच को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है, जिससे अन्य लोगों की संलिप्तता की जानकारी की जायेगी।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि 03 फरवरी 2023 को डूंगला के ग्राम विकास अधिकारी कुलदीपसिह मीणा ने मंगलवाड़ थाने पर एक रिपोर्ट पेश कर बताया कि राजस्थान सरकार ग्रामीण विकास एंव पचायती विभाग जयपुर से प्राप्त पत्र की पालना में पचायत समिती डुगला के जाँच अधिकारीयो द्वारा पटटो के रिकार्ड की जॉच की गयी एंव उपतहसिल कार्यालय मंगलवाड से जुलाई 2022 से नवम्बर 2022 तक पटटो के पंजीयन की सुची ली गयी, जिन पर ग्राम पचायत मंगलवाड के रिकार्ड से मिलान किया गया। इनमे शंकरलाल पुत्र भवरलाल खटीक, मनीष पुत्र छगनलाल सिसोदिया, दिलिप पुत्र सत्यनारायण अग्रवाल, मांगीलाल पुत्र उकार अहिर, नारायण पुत्र भैरा अहीर, सीता बाई पत्नी हरिराम मीणा व चन्दा पत्नी ललित भावसार के पटटे किसी अन्य पटटा बुक से जारी कर ग्राम विकास अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर किये गये है। इनके पजीयन पर भी उनके द्वारा हस्ताक्षर नही किये गये है। पंचायत समिती डुगला से सरकारी जारी शुदा पटटा बुक से निम्न पटटे जारी नहीं किये गये है। उक्त पटटो पर फर्जी हस्ताक्षर किये हुये है जो उनके नही है। ग्राम विकास अधिकारी की रिर्पोट पर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया गया।

एएसपी चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह के निर्देशन एवं डीएसपी बड़ीसादड़ी देशराज कुलदीप के पर्यवेक्षण में थानाधिकारी मंगलवाड भगवानलाल पु0नि0 के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता की विशेष टीम एएसआई जगदीश चन्द्र सुखवाल, श्यामलाल, प्रेमशंकर, कानि. जमनालाल, नारायणसिंह, सुनिल, भावेश व राकेश द्वारा फर्जी पटे जारी करने के मामले में आरोपी ग्रा.पं. मंगलवाड़ के सरपंच/प्रशासक ब्रह्मपुरी मंगलवाड़ निवासी 32 वर्षीय धनराज मीणा पुत्र हरिराम मीणा को गिरफतार किया जाकर न्यायालय से दो दिन का पीसी रिमाण्ड प्राप्त किया गया। फर्जी पटो में किन किन व्यक्तियो की संलिप्तता है, के सम्बंध में जांच जारी है, सरपंच धनराज मीणा द्वारा अन्य लोगो को भी फर्जी पटटे जारी किये है जिनकी शिकायते थाने पर प्राप्त हुई है उक्त सम्बंध में भी अनुसंधान जारी है।

भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विधायक अशोक कोठारी हुए शामिल

सनातन नववर्ष, चैत्र नवरात्रि व राजस्थान दिवस की दी बधाई शुभकामनाएं

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। शहर विधायक अशोक कोठारी ने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर सनातन नववर्ष, चैत्र नवरात्रि, चेटीचंड व राजस्थान दिवस की बधाई शुभकामनाएं दी। मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि, विधायक कोठारी ने महर्षि गौतम जयंती पर आयोजन समिति द्वारा भव्य शोभायात्रा व विशाल वाहन रैली का बस स्टैंड चौराए पर स्वागत अभिनंदन किया। महर्षि गौतम जयंती की समाजजनों को भावों के साथ बधाई शुभकामनाएं दी।

भगवान झूलेलाल का अवतरण दिवस चेटीचण्ड पर पूज्य झूलेलाल मंदिर शाम की सब्जी मंडी में ध्वज पूजा अर्चना व ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होकर सिंधी समाजजनों को बधाई शुभकामनाएं दी। सिंधी समाज ने विधायक अशोक कोठारी का धन्यवाद आभार जताया। जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप मेवाड़ के द्वारा आयोजित शपथ विधि एवं पदारोपण समारोह नंदिनी रिसोर्ट में आतिथ्य ग्रहण कर नवनियुक्त कार्यकारिणी व समाज जनों को बधाई शुभकामनाएं दी। विचार परिवार के कैलाश जी भाई साहब के आशीर्वचन व उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के मुख्य आतिथ्य व सासंद दामोदर अग्रवाल, शहर विधायक अशोक कोठारी के विशिष्ट आतिथ्य में भीलवाड़ा नगर निगम सभागार में माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय द्वारा पूर्व छात्र मिलन समारोह, माणिक्य रत्न संगम कार्यक्रम आयोजित हुआ। साथ ही हिन्दू नववर्ष, चैत्र नवरात्रि व राजस्थान दिवस की हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मन्दिर में पहुंचकर महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी उदासीन के दर्शन कर बधाई शुभकामनाएं दी। श्री गौ सेवा मित्र मंडल एवं पर्यावरण संरक्षण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित सनातन नववर्ष-गौसेवा सहर्ष कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा के साथ शहर विधायक अशोक कोठारी ने शिरकत की। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा मंचासीन थे। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों द्वारा उप मुख्यमंत्री का स्वागत अभिनंदन किया गया। जैन समाज द्वारा सिखवाल भवन में आयोजित स्नेह मिलन में उपस्थित होकर बधाई शुभकामनाएं दी, आयोजकगनों ने विधायक का आभार धन्यवाद व्यक्त किया।

राजस्थान दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महाराणा प्रताप सभागार में सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक अशोक कोठारी, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर श्रीमती प्रतिभा देवठिया, सीईओ जिला परिषद चंद्रभान सिंह भाटी ने मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महंत बनवारी शरण (काठिया बाबा), संत मायाराम, संत राजाराम, संत गोविंद राम, ब्रह्मचारी मिहिर, पंडित नवीन शर्मा, भाजपा नगर निगम महापौर राकेश पाठक, पूर्व मुख्य सचेतक कालूलाल गुर्जर, लक्ष्मीनारायण डाड, द्वारिका प्रसाद मंगल, भगवान सिंह चौहान, सीमा चौधरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खुदा की बारगाह में झुके हजारो सजदे, दिया अमन शांति का पैगाम

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। बूंदी में ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के लोगों ने खुदा की बारगाह में झुकर हजारों सजदे किए और अमन, शांति का पैगाम दिया। शहर काजी पीरज़ादा अब्दुल शकूर क़ादरी के नेतृत्व में नवल सागर ईदगाह पर ईद की नमाज अदा की गई। नमाज के बाद क़ादरी साहब ने अपनी तकरीर में मुल्क में अमन, सलामती, भाईचारे और कोमी एकता पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से जकात व ईदुल फितर के महत्व को समझाते हुए कहा कि हमें समाज के कमजोर और बेसहारा लोगों की मदद करनी चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने मुल्क की तरक्की में भागीदारी निभाने और समाज में व्याप्त बुराइयों को समाप्त कर एक स्वच्छ और साफ सुथरा समाज बनाने का आह्वान किया। क़ादरी साहब ने यह भी कहा कि मदद जाति और मजहब से ऊपर उठकर की जानी चाहिए।

हाजी अब्दुल सत्तार क़ादरी ने हज के बारे में जानकारी दी, वहीं हामिद रज़ा ने नात शरीफ पढ़ी और मोहम्मद अहमद रज़ा ने सलात पेश की। बूंदी जिला वक्फ कमेटी सचिव मौलाना असलम ने बच्चों की तालीम और अच्छी तरबियत पर जोर देते हुए कहा कि हमारे बच्चे देश के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा, जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा, बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा, कोमी एकता कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष युद्ध राज सोनी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। नमाज के बाद, सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और मुल्क में अमन, चैन, भाईचारे, कोमी एकता और खुशहाली के लिए दुआ की।

दिनभर में पहाड़ी पर स्थित हजरत बाबा मीरा साहब के उर्स का आयोजन भी हुआ, जिसमें जिले और आस-पास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अकीदत के फूल व चादर पेश की। मेले में बच्चों के खिलौने, चाट-पकोड़ी और अन्य इंस्टाल लगे हुए थे। मुस्लिम समाज के लोग नमाज के बाद अपने पूर्वजों की कब्रों पर जाकर फूल और इत्र पेश कर दुआएं मांगी।

दीवाना शाह दरगाह कपासन पर हजारों लोगों ने ईद उल फितर की नमाज अदा की

दरगाह शरीफ की जानिब से 3 क्विंटल खीर तकसीम की

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। प्रख्यात सूफी संत हजरत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ स्थित औलिया मस्जिद मे हजारो लोगो द्वारा सोमवार को ईद उल फितर की नमाज़ अदा की गयी।

दरगाह वक्फ कमेटी कपासन सैक्रेट्री मोहम्मद यासीन खां अशरफी ने बताया कि मोलाना अंसारूल हक द्वारा तिलावते कलामे पाक के बाद नात शरीफ पेश की गयी।मौलाना हाफिज मोहम्मद शाकिर पेश ईमाम औलिया मस्जिद द्वारा तकरीर पेश कर ईद की नमाज की ईमामत की गयी।सलातो सलाम के बाद बाबा हुजूर के मजार शरीफ पर आम मुसलमान की जानिब से चादर शरीफ पेश कर नफरतो खातमा एवं पैगामे मुहब्बत,प्रेम,भाईचारा एवं सोहार्द हेतु दुआ की गयी।इस दौरान ईदुल फितर मुबारकबाद के नारो से दरगाह परिसर गूंज उठा।

उल्लेखनीय है कि ईद उल फितर के अवसर पर जायरीने दीवाना की आमदो-रफ्त दिनभर बनी रही।साथ ही दरगाह शरीफ की जानिब से तीन क्विंटल दूध की खीर बनाकर तकसीम की गयी।

भव्य शोभायात्रा के साथ तीन दिवसीय हिंदू नव वर्ष समारोह का समापन

विभिन्न झांकियां और मातृशक्ति का हैरत अंगेज अखाड़ा प्रदर्शन रहे मुख्य आकर्षण

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (रेखा खाबिया)। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष में हिंदू नव वर्ष स्वागत आयोजन समिति द्वारा 28 से 30 मार्च तक तीन दिवसीय आयोजन समारोह पूर्वक किए गए। आयोजन के तहत रविवार को प्रात: वर्ष प्रतिपदा हिंदू नव वर्ष के स्वागत हेतु शहर के प्रमुख चौराहों पर मातृशक्ति द्वारा मंगल तिलक करके नीम, मिश्री व काली मिर्च का प्रसाद वितरित कर शुभकामनाएं दी गई।

समिति के संयोजक अभिषेक मूंदड़ा रुद ने यह जानकारी देते बताया कि रविवार को प्रात: वर्ष प्रतिपदा हिंदू नव वर्ष के स्वागत हेतु शहर के प्रमुख चौराहों पर मातृशक्ति एवं विभिन्न संगठनों द्वारा मंगल तिलक करके नीम, मिश्री व काली मिर्च का प्रसाद वितरित कर शुभकामनाएं दी ।

मीडिया प्रभारी संजय खाबिया ने यह जानकारी देते बताया कि इसी दिन सायंकाल मुख्य समारोह के रूप में इंदिरा गांधी स्टेडियम से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा इंदिरा गांधी स्टेडियम से सायंकाल प्रारंभ होकर शास्त्री नगर चौराहा, कलेक्ट्रेट चौराहा, रोडवेज बस स्टैंड, गंभीरी पुलिया, अप्सरा चौराहा होकर सुभाष चौक पहुंची। मार्ग में जगश - जगह पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सर्व हिंदू समाज के महापुरुषों की झांकियां, खरडेश्वर महादेव का नगर भ्रमण, उज्जैन महाकाल की सजीव झांकी, इस्कोन मंदिर की झांकी, भारत माता की झांकियां व महापुरुषों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। जबकि सभी विद्यालयों, धार्मिक मंडल, प्रभात फेरियां व अन्य झांकियां तथा सर्व हिंदू समाज के महिला पुरुषों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही।

शोभा यात्रा में गगन भेदी नारों के साथ मातृशक्ति व बहनों द्वारा पूरे जोश व उत्साह से हैरत अंगेज अखाड़ा प्रदर्शन किया गया। वीर - वीरांगनाओं और देश भक्ति के नारों व जयकारों के बीच बालिकाओं का अखाड़ा प्रदर्शन देखते ही बनता था। नन्ही बालिकाओं ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और वीरांगनाओं की वेशभूषा में अनूठे करतब दिखाए ।

शोभायात्रा सुभाष चौक पहुंची। जहां सायंकाल भारत माता की आरती व प्रसाद वितरण के साथ ही तीन दिवसीय समारोह का समापन किया गया। इस मौके पर हेमंत जैन, दिनेश चंद्र भट्ट, अनिरुद्ध सिंह भाटी, लक्ष्मी नारायण वेद, पहलवान कैलाश गुर्जर, आई एम सेठिया, आदि गणमान्य समाजसेवी सहित विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, सहकारी भूमि विकास बैंक चेयरमैन बद्रीलाल जाट, श्रवण सिंह राव , गौरव त्यागी , हर्षवर्धन सिंह रुद, सुरेश झंवर, सुशील शर्मा, सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

देवली में चार दिवसीय चेटीचंड महोत्सव का समापन

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सठी)। शहर में पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा आयोजित चार दिवसीय चेटीचंड महोत्सव मेले का समापन हुआ। इस अवसर पर वाहन रैली, झूलेलाल साहिब विशेष श्रृंगार, कीर्तन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। समाज अध्यक्ष विनोद धर्मानी ने बताया कि शोभायात्रा बहराना साहब से निकाली गई, जिसमें पारंपरिक सिंधी नृत्य (छैज़) का प्रदर्शन हुआ। युवक-युवतियां विभिन्न किरदारों का श्रृंगार करके शोभायात्रा की शोभा बढ़ाते हुए दिखाई दिए। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पवित्र बनास नदी के तट पर बोरडा गणेशजी पहुंची। इससे पहले शहर के पटेल चौक ग्रुप एवं व्यापार महासंघ ने शोभायात्रा पर पुष्प बरसाए और जलपान कराया। जहां पर सभी समाज के लोगों द्वारा पूज्य बहिराणा साहब की पवित्र ज्योत को पवित्र बनास नदी के तट पर देश प्रदेश खुशहाली की मुरादे मांगते हुए विसर्जन किया गया। सभी ने एक दूसरे को बधाई दी।

श्री कालभैरव (श्री काला जी बावजी) देव स्थल पर नवरात्रि महोत्सव प्रारंभ

मां कालिका, शेष अवतार जी, भैरव जी और शिव परिवार के दर्शन करने बड़ी संख्या में पहुंचते हैं श्रद्धालु

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। बोजुन्दा पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्थित श्री कालभैरव (श्री काला जी बावजी) देव स्थल पर रविवार को नवरात्रि महोत्सव प्रारंभ हो गया। नवरात्रि के अवसर पर प्रतिदिन सुबह-शाम आरती एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। यह जानकारी देते हुए भोपाजी बाबूलाल जी जटिया सतखंडा ने बताया कि श्री काल भैरव मंदिर पर नवरात्रि महोत्सव के तहत 6 मार्च तक आयोजन होंगे।

जसोलधाम द्वारा नि:शुल्क संचालित भोजनशाला का समापन समारोह सम्पन्न

अन्नदान महादानः महंत नारायणगिरी जी महाराज

बढ़ता राजस्थान

बालोतरा,(कैलाश गोस्वामी)। तिलवाड़ा में चल रहे विश्वविख्यात श्री मल्लीनाथ पशु मेले में मेलार्थियों की सुविधा हेतु श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल द्वारा विगत सात दिनों से नि:शुल्क संचालित की जा रही भोजनशाला का समापन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। यह आयोजन पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं संत महामंडल अध्यक्ष दिल्ली एनसीआर तथा श्री दूधेश्वर महादेव मंदिर गाजियाबाद पीठाधीश्वर श्री महंत नारायणगिरी जी महाराज एवं महंत श्री गणेशपुरी महाराज के पावन सानिध्य एवं संस्थान अध्यक्ष रावल श्री किशन सिंह जी जसोल के मार्गदर्शन में छत्तीशी कौम सनातन धर्म प्रेमियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कन्या पूजन और प्रसाद वितरण

समापन समारोह के उपलक्ष में सर्व समाज की कन्याओं का

विधि-विधान से पूजन कर उन्हें फल-प्रसाद एवं अन्न-प्रसाद प्रदान किया गया। साथ ही श्री रावल मल्लीनाथ जी मंदिर तिलवाड़ा (थान मल्लीनाथ), श्री राणी रूपादे जी मंदिर (पालिया) एवं श्री रावल मल्लीनाथ जी मंदिर (मालाजाल) में भोग प्रसाद अर्पित किया गया।

महंत नारायणगिरी जी महाराज एवं संस्थान अध्यक्ष रावल किशन सिंह जसोल द्वारा भोग लगे प्रसाद को तिलवाड़ा, थान मल्लीनाथ एवं बोरावास के प्रत्येक घर में वितरित करने हेतु वाहनों को भगवा झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

संस्थान एवं स्वयंसेवकों की सराहना

महंत नारायणगिरी जी महाराज ने श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल द्वारा मेलार्थियों की सुविधा के लिए किए गए सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने स्वयंसेवकों की नि:स्वार्थ भाव से की गई सेवा को लेकर प्रशंसा करते हुए आशीर्वचन दिए।संस्थान अध्यक्ष रावल किशन सिंह जसोल ने कहा कि जसोलधाम द्वारा संचालित भोजनशाला श्री रावल मल्लीनाथ जी एवं श्री राणी रूपादे जी के बताए गए सामाजिक समरसता के सिद्धांत पर आधारित थी, जिसमें समस्त छत्तीशी कौम के मेलार्थियों को बिना किसी भेदभाव के एक समान अन्न-प्रसाद ग्रहण करवाया गया।

समारोह में उपस्थित गणमान्य

इस अवसर पर श्री रावल मल्लीनाथ श्री राणी रूपादे संस्थान, तिलवाड़ा सचिव सुमेरसिंह वरिया, श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल सचिव गजेंद्रसिंह जसोल एवं मांगूसिंह जागसा, गुमानसिंह वेदरलाई, विक्रमसिंह, शंभूसिंह त्रिभुवनसिंह असाड़ा, हड़मतसिंह नौसर, देवीसिंह कितपाला, भीमसिंह टापरा, तिलवाड़ा के पूर्व सरपंच शोभसिंह, शिक्षक कुंदनसिंह, जितेंद्रसिंह तिलवाड़ा सहित अनेक सनातन धर्म प्रेमी उपस्थित रहे।

महर्षि गौतम जयंती को श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज कपासन ने विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया

समारोह में समाज की विभिन्न प्रतिभावों को सम्मानित किया

बढ़ता राजस्थान

कपासन(सुनील कुमार डभाड़ीया)। न्याय शास्त्र के प्रणेता महर्षि गौतम की जयंती श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज कपासन द्वारा रविवार को विविध धार्मिक अनुष्ठानों एवं सम्मान समारोह आयोजित कर मनाया गया।साथ ही सर्व सम्मति से महिला पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया। श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज अध्यक्ष भुवनेश व्यास ने बताया की महर्षि गौतम जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत प्रात: गौतम आश्रम परिसर में यज्ञ-हवन अनुष्ठान समाज के जगदीश चाष्टा,राधेश्याम व्यास,दत्तात्रेय चाष्टा,जितेंद्र बुढसाना,सतीश चाष्टा, महेश उपाध्याय, रमेश चाष्टा, दिलीप उपाध्याय,अरविन्द चाष्टा,राहुल चाष्टा,जयेश चाष्टा,कुशाल चाष्टा,राजेन्द्र व्यास, श्रीप्रकाश व्यास आदि गणमान्यजनों की उपस्थिति में संपन्न हुवे।इसके उपरांत महर्षि गौतम जन्मोत्सव उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।जिसमे महर्षि गौतम आधारित आकर्षक झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।साथ ही नगर में जगह-जगह ठाकुरजी के बेवान पर पुष्प वर्षा कर आरती की गयी।शोभायात्रा बाद श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के गौतम आश्रम परिसर में समाज की विभिन्न प्रतिभावों हेतु सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर सत्य नारायण उपाध्याय, दिलीप चाष्टा, सुरेश व्यास, योगेश चाष्टा, जगदीश व्यास, दिलीप उपाध्याय, राजेन्द्र व्यास, लोकेश व्यास, ऋषि व्यास, मनीष चाष्टा,रमेशचंद्र चाष्टा,मन्नालाल उपाध्याय, सोहनलाल उपाध्याय,प्रकाश व्यास,राजेश जोशी, शिवशंकर उपाध्याय,महिला मंडल अध्यक्ष ललिता उपाध्याय,उपाध्यक्ष धीरज व्यास सहित समाज के महिला,पुरुष,युवा एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।उक्त श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज कपासन के प्रतिभा सम्मान समारोह का संचालन सत्यप्रकाश व्यास द्वारा किया गया।यहां प्रतिभा सम्मान समारोह उपरांत महिला मंडल की बैठक का आयोजन हुआ।जिसमें आगामी दो वर्ष हेतु सर्वसम्मति से महिला मंडल अध्यक्ष पद पर कल्पना व्यास एवं उपाध्यक्ष सुनीता चाष्टा को नियुक्त किया गया।

देवली में ईसर गणगौर की पूजा कर अखंड सौभाग्य कामना की

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सठी)। गणगौर के अवसर पर शहर के कई स्थानों पर महिलाओं ने जुलूस के रूप में गणगौर को पानी पिलाया तथा ईशर गणगौर की सवारी निकालते हुए अखंड सौभाग्य एवं सुख शांति की कामनाएं की। इसे लेकर देवली के पटेल नगर की महिलाओं ने पटेल नगर शिव मंदिर से गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकालकर भगवान शिव एवं माता पार्वती कि ईशर गणगौर के रूप में पूजा आराधना की। कलश यात्रा के दौरान महिलाओं ने जमकर नृत्य कर अपने उल्लास को प्रकट किया। गणगौर ग्रुप की यशोदा जोशी ने बताया कि गत 16 दिनों से प्रतिदिन ईशर गणगौर की पूजा की जा रही है। इस दौरान गणगौर पूजने वाली महिलाओं ने अपने-अपने घर पर गणगौर का बिंदौरा भी आयोजित किया। इसी प्रकार घोषी मोहल्ले में गणगौर ग्रुप की महिलाओं ने भी ईशर गणगौर की पूजा अर्चना की तथा जुलूस निकाला। इस दौरान घोसी मोहल्ले में गणगौर ग्रुप की ममता शर्मा, जया कुमावत, मीनाक्षी जिंदल, दुर्गा भुंवालिया, पायल शर्मा, रेखा शर्मा, सोनिया शर्मा सहित कई महिलाएं थी। इसी तरह एजेंसी एरिया स्थित श्री नेवरबाग बालाजी मंदिर परिसर में महिला मंडल ने कलश यात्रा निकाली वही ईसर गणगौर की शोभायात्रा निकाली। शहर के समाजसेवी राकेश दिया ने जानकारी में बताया कि शहर के छाया मार्केट में भी गणगौर की पूजा सुबह 8:00 से शुरू होती हुई दोपहर 3.00 बजे तक इस पूजा सभी समाज की महिलाओं ने भाग लिया इस दौरान महिलाओं ने जमकर नृत्य किया और ईशर गणगौर का पूजन किया।

ज्योति कलश यात्रा का किया भव्य स्वागत

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सठी)। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में अखंड दीपक शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में ज्योति कलश यात्रा देवली ब्लॉक के राजमहल में प्रवेश करने पर गायत्री परिवार के सदस्यों ने सेन मंदिर राजमहल के बाहर भव्य स्वागत किया। नगर भ्रमण के साथ सेन मंदिर में गायत्री यज्ञ संपन्न हुआ इसमें रतन शंकर शर्मा, जगदीश गौतम, नमो नारायण गौतम, जगदीश पारीक, मुरारी लाल शर्मा, राम अवतार शर्मा आदि ने भाग लिया। गायत्री परिवार के ट्रस्टी नरेंद्र कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राजमहल के पश्चात यात्रा गावड़ी, दोलता मोड, काशीर, कालानाड़ा होती हुई देवली पहुंची जहां सभी स्थानों पर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया तथा पटेल नगर देवली में शिव मंदिर में दीप यज्ञ का आयोजन महिला मंडल के सदस्य यशोदा शर्मा व दुर्गा देवी के सहयोग से संपन्न हुआ। दीपयज्ञ लोकेश कुमार शर्मा ने किया। वहीं देवली गौतम मंदिर बस स्टैंड में गायत्री यज्ञ के पूर्ण होने के साथ ही यात्रा सिरोही निवारिया होती हुई चांदली माता जी के पहुँची।

हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया ईदुल फितर, सजदा ए शुक्र में झुके सैकड़ों शीश

मोमिनो ने रब की बारगाह में सजदा ए शुक्र अता किया

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सठी)। शहर में ईदुल फितर का पर्व सोमवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ईद पर्व पर मुस्लिम समाज के लोग जयपुर रोड़ स्थित (सी आई एस एफ) परिसर ईदगाह पर पहुंचे और रमजान का महीना पूरा होने पर मोमिनों द्वारा अल्लाह की बारगाह में सजदा ए शुक्र अता किया गया। समाज के प्रवक्ता हारून अंसारी और मोहम्मद इदरीस मैं जानकारी बताया कि शही ज़ामा मस्जिद के इमाम नज्में इफ्तिखार साहब के द्वारा अता करवाई गई। ईद के मौके पर शहर के मुस्लिम क्षेत्रममें सुबह से ही रौनक देखने को मिली। इस अवसर पर शाही इमाम ने बताया कि यह ईद हमे माहे रमज़ान के पूर्ण होने पर अल्लाह की की और से तोहफे के रूप में मिली है। जिसे हमें खुदा शुक्र अता करते हुए खुशियों के संग मनाना चाहिए। उन्होंने अल्लाह और उसके रसूल मुहम्मद सल्लाहु अलैहि वसल्लम के बताए हुए मार्ग पर चलने का सदेश दिया। और सादगी से जीवन जीने की बात कही। तो वहीं नमाज के बाद वतन की खुशहाली अमन चैन सांप्रदायिक सौहाद्र लिए दुआ मांगी गई।

सतरंगी आतिशी नजारों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा गंभीरी नदी तट का आयोजन

सनातन संस्कृति के सफल आयोजन के लिये जताया आभार

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। भारतीय नव वर्ष की पूर्व संध्या पर गंभीरी नदी तट पर आयोजित कार्यक्रम नव वर्ष के तीन दिवसीय समारोह में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। संध्या से एकत्र जनसमूह रात तक सतरंगी आतिशी नजारों के बीच विशेष रंगोली, दीपदान, गंभीरी नदी की महा आरती, गोपूजन और मातृशक्ति के अद्भुत अखाड़ा प्रदर्शन को देखने जुटा रहा। आयोजन को सराहनीय व अनुकरणीय बताया जा रहा है। गम्भीरी नदी कार्यक्रम के संयोजक भोलाराम प्रजापत के साथ टीम के दीपक वर्मा , पंकज सेन ,भागीरथ मालवीय, मोतीलाल प्रजापत , लीला भील व बोतलाल माली आदि ने विभिन्न व्यवस्थाएं सम्हाली। गंभीरी नदी की आरती विशेष पंडितों द्वारा की गई। विशाल रंगोली गोबर, लाल गेरू, सफेद खड़ी से लीप कर गंभीरी नदी के घाट पर सुंदर रंगोली तैयार की गई। रंगोली का आकर्षण देखते ही बन रहा था। बड़ी संख्या में महिला पुरुषों द्वारा नदी तट पर दीपदान किया गया। गौ माता की पंडितों द्वारा पूजा अर्चना व आरती की गई। आसमान में सतरंगी आतिशबाजी की गई। दुर्ग से आई गैर नृत्य की पूरी टीम एवं नन्ही बहनों ने अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन कर वहां उपस्थित जनसमूह को मंत्र मुक्त कर दिया।

सनातन संस्कृति के सफल आयोजन के लिये जताया आभार- हिंदू नव वर्ष पर आयोजित सनातन संस्कृति के तीन दिवसीय समारोह में सहयोग करने वाले समस्त संगठनों, विद्यालयों, समाजजनों, स्वयंसेवकों और सहयोगियों सहित आम जन का नववर्ष स्वागत आयोजन समिति संयोजक अभिषेक मुंदड़ा रुद, मीडिया प्रभारी संजय खाबिया एवं समस्त कार्यकारिणी ने आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया।

जेके सीमेंट द्वारा फीचर अहिरान में पशुधन विकास परियोजना के अंतर्गत उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रदर्शनी का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

निंबाहेड़ा (नि.स.)। जेके सीमेंट वर्क्स निंबाहेड़ा के यूनिट हेड श्री मनीष तोषनीवाल और हेड एच.आर.प्रभाकर मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में सामाजिक सेवा के अंतर्गत जेके ट्रस्ट द्वारा संचालित समेकित पशुधन विकास परियोजना के तहत फाचर अहिरान ग्राम में उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

यह परियोजना जेके सीमेंट लिमिटेड के निंबाहेड़ा और मांगरोल प्लांट के आसपास के 25 ग्राम पंचायतों में लागू की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य पशु नस्ल सुधार, चिकित्सा शिविरों का आयोजन, टीकाकरण, हरा चारा उत्पादन, और महिला पशुपालकों को प्रशिक्षण देकर पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है। विगत कुछ वर्षों से जेके ट्रस्ट ने कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से उन्नत नस्ल की गायों और भैंसों की नई पीढ़ियों को बढ़ावा दिया है, जिससे दूध उत्पादन में सुधार हुआ है और पशुपालकों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

इस प्रदर्शनी में निंबाहेड़ा तहसील के 212 पशुपालकों ने भाग लिया। पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने मुर्रा, गिर, और होल्स्टीन फ्रीजियन नस्ल की गायों और भैंसों को चार श्रेणियों में मूल्यांकित किया और प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्रदान किए।

कार्यक्रम के दौरान जेके सीमेंट निंबाहेड़ा के यूनिट हेड श्री मनीष तोषनीवाल ने अपने अभिभाषण में पशुपालकों को संबोधित किया और कहा कि पशुपालन से जैविक खाद का उत्पादन होता है और यह पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद करता है। जेके सीमेंट के एच.आर. हेड श्री प्रभाकर मिश्रा ने बताया कि कंपनी सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है ताकि ग्रामीण समुदाय को अधिक लाभ मिल सके। जेके ट्रस्ट के स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर डॉ. रवि यादव ने इस पशु प्रदर्शनी के माध्यम से पशुपालकों को नस्ल सुधार के लाभ के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में महिला पशुपालकों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसमें पशुपालन को लाभकारी बनाने के उपायों पर चर्चा की गई।इस अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भी किया गया, जिसमें पशु

चिकित्सा टीम ने मूल्यांकन किए गए पशुओं के लिए पुरस्कार प्रदान किए।

कार्यक्रम में फीचर अहिरान ग्राम पंचायत के सरपंच श्री विक्रम अहीर, पूर्व सरपंच श्री दिनेश अहीर, और जेके सीमेंट के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

महिलाओं को अपने कानूनी और मजहबी अधिकार पता होने चाहिए, हम मर्दों से कमतर नहीं : सादिया खतीब

जम्मू की रहने वाली सादिया खतीब ने कभी सोचा नहीं था कि वह हीरोइन बनेंगी, मगर उनकी किस्मत उन्हें ग्लैमर जगत में ले आई। शिकारा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सादिया रक्षा बंधन में अक्षय कुमार की बहन बनीं और अब जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट में उज़्मा अहमद का वास्तविक किरदार निभा रही हैं। सादिया खतीब ने बातचीत में जॉन अब्राहम पर क्रश और द डिप्लोमैट में उनके साथ काम करने के एक्सपीरियंस के बारे में भी बात की। वह फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए समान अधिकार और सैलरी पर भी बोलीं।

फिल्मों में आप लगातार महिलाओं की आवाज बन रही हैं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी था, आपके लिए फेमिनिज्म क्या है?

मुझे लगता है मेरे लिए फेमिनिज़्म यही है कि हम महिआलों को अपने अधिकार पता होने चाहिए। औरतों को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए, अपने मजहबी हक का पता होना चाहिए। आपको अगर अपने इन तमाम राइट्स की जानकारी हो, तभी आप कुछ बात कर सकते हैं। मैं मानती हूं कि मैं मर्द नहीं हूं। मैं 200 किलो नहीं उठा सकती, मगर यदि मैं डेस्क पर काम कर रही हूं, तो मुझे भी मेल एम्प्लॉइज की तरह बराबरी का पैसा मिलना चाहिए। मेरे लिए महिलावाद के मायने हैं, समान अवसर और समान पैसे। साथ ही मैं ईक्वल रिस्पेक्ट भी चाहूंगी। कोई भी धर्म या संविधान हमें सेकंड क्लास सिटीजन की श्रेणी में नहीं रख सकता। हम ईक्वल हैं। हम भले मर्दों से अलग हैं, मगर हम उनसे कमतर नहीं हैं।

एक लड़की होने के नाते क्या आपने कभी हीनता महसूस की है?

मुझे लड़की होने के नाते भी ह्युमिलिएट होता है, जब हमें कमतर साबित करवाया जाता है। जब कभी काम की जगह पर आपको आपके जेंडर के कारण कमतर महसूस करवाया जाता है, तो बहुत हीन महसूस होता है। अगर हमें काम पर रखा गया है, तो इसका मतलब ये नहीं है कि हमें खरीद लिया गया है। हम उस काम को करने के लिए बाध्य हैं, जिसके पैसे हमें दिए जा रहे हैं। हम दूसरी किसी चीज के लिए बाध्य नहीं हैं। जब लोगों को लगता है कि उन्होंने आपको मौका दिया है और वे आपसे कुछ भी करवा सकते हैं, तो ये मुझे बहुत बुरा लगता है। इससे औरत की इंटीग्रिटी को आघात पहुंचता है।

आपके करियर की शुरुआत जाने-माने फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की शिकारा से हुई, आपने उनसे क्या सीखा?

मुझे लगता है सिनेमा की एक संपूर्ण समझ विधु विनोद चोपड़ा जी से ही मिली। किरदार में नैचुरल रहना उन्होंने ही सिखाया। उनसे मैंने जाना कि एक किरदार की रिदम को कैसे बनाए रखते हैं। मैं उन्हें अपना पहला गुरु मानती हूं। वो हमेशा कहते थे कि एक्टर को अपने इंट्यूशन पर यकीन रखना चाहिए ,उसे हमेशा अपने फ्लो के साथ बहना चाहिए। फिल्म का जो भी रिजल्ट रहा हो, मगर आज भी मुझे मौका मिले, तो मैं शिकारा के सेट पर दोबारा जाना चाहूंगी।

आप कश्मीर से हैं, तो कश्मीर की इस कहानी से कितना जुड़ पाईं?

सच कहूं, तो मेरे अपीयरेंस के अलावा उस किरदार में मेरा अपना कुछ भी नहीं था। शिकारा की कहानी नब्बे के दशक की थी और तब मैं पैदा भी नहीं हुई थी। जब तक मैं पैदा हुई तब तक फिल्म में दर्शाया हुआ माहौल खत्म हो गया था। मैं जम्मू से हूं और जहां मैं पली-बढ़ी हूं, वहां हमारी पढ़ाई को-एड में हुई है। जहां पर कश्मीरी पंडित, कश्मीरी मुस्लिम सारे धर्म के लोग साथ मिलकर रहते हैं। मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया, जैसा फिल्म में दिखाया गया है। मैंने भी सिर्फ कहानियां सुनी हैं, मैं तो आज के दौर की जेनज़ी लड़की थी, जो सेट पर इधर -हर मस्ती किया करती थी।

आपने जब अक्षय कुमार के साथ रक्षा बंधन में उनकी बहन का रोल करना स्वीकार किया तो क्या तब आपको बहन की भूमिका में टाइपकास्ट हो जाने का डर नहीं था?

बिलकुल, जब मैंने फिल्म फिल्म साइन की, तो हर किसी ने यही कहा कि मैं बहन क्यों बन रही हूं, कहीं मुझ पर बहन का ठप्पा न लग जाए, मगर ये समस्या तब होती, जब मैं किसी लव स्टोरी में बहन की भूमिका कर रही होती। रक्षा बंधन की कहानी कोई प्रेम कहानी नहीं थी, यह तो भाई-बहन की कहानी थी, जिसमें मेरा सेंट्रल कैरेक्टर था और यह बात मुझे अक्षय सर ने ही समझाई थी। सच कहूं, मुझे ये टाइपकास्ट वाली बात जंचती नहीं। हो सकता है एकाध साल तक लोग आपको उस रूप में देखें, मगर फिर आपका काम सामने आ ही जाएगा।

सादिया खतीब सुना है कि एक जमाने में जॉन अब्राहम आपके क्रश हुआ करते थे और अब आप उन्हीं की हीरोइन बन कर आ रही हैं?

(हंसते हुए) जब मैं स्कूल में थी, तब मैंने धूम देखी थी और मुझे धूम का कबीर (जॉन अब्राहम) का किरदार बहुत पसंद आया था, तो जॉन मेरा बचपन का क्रश रहे। मुझे शिकारा में काम करने का मौका मिला, तो मैंने एक इंटरव्यू में कहा था, जॉन मेरे क्रश हैं। तब मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं भविष्य में उनकी फिल्म की हीरोइन बनूंगी। आज बहुत गर्व महसूस कर रही हूं कि जॉन सर के साथ काम कर रही हूं। वे बहुत ही पैशनेट और समर्पित कलाकार हैं।

सलमान खान की फिल्म सिकंदर ऑनलाइन लीक

फिल्म का एचडी वर्जन इंटरनेट पर आया, 600 साइट्स से पायरेटेड वर्जन हटाया गया

सलमान खान की फिल्म सिकंदर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। लेकिन फिल्म को रिलीज से कुछ घंटे पहले ही पाइरेट्स ने ऑनलाइन लीक कर दिया। रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि फिल्म का एचडी वर्जन इंटरनेट पर आ गया है।

कोमल नहाटा ने फिल्म लीक करने को गलत बताया : कोमल नाहटा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखा, 'किसी भी मेकर के लिए यह सबसे बुरा सपना है। एक फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले लीक कर दिया जाना। कल शाम साजिद नाडियाडवाला की सिकंदर के साथ यही हुआ, जो आज सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मेकर्स ने 600 साइट्स से फिल्म हटाने के लिए कहा : कोमल नाहटा ने कहा कि फिल्म मेकर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने अधिकारियों से लीक पर कार्रवाई करने के लिए कहा है। फिल्म को कई वेबसाइट्स से हटा दिया गया। उन्होंने लिखा, 'निर्माता ने अधिकारियों से कल रात 600 साइट से फिल्म को हटाने के लिए कहा। जब कोई फिल्म पाइरेसी का शिकार होती है, तो इसका सीधा असर फिल्म की कमाई पर पड़ता है। सबसे ज्यादा नुकसान मेकर्स को उठाना पड़ता है, क्योंकि फिल्म को बनाने में करोड़ों रुपए खर्च होते हैं।'

फिल्म लीक को लेकर जांच जारी : हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चला है कि फिल्म कैसे लीक हुई और लीक हुआ वर्जन कहां से आया। रिपोर्ट्स का कहना है कि मेकर्स ने पुलिस से कॉन्टैक्ट किया है और मामले की जांच की जा रही है।

सिकंदर में रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में : सलमान खान की फिल्म सिकंदर की बात करें तो इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म को ए. आर. मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है। जिन्होंने आमिर की 2008 की ब्लॉकबस्टर फिल्म गजनी का भी निर्देशन किया था। फिल्म 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

मोहनलाल ने एल 2: एम्पुरान के लिए मांगी माफी

फिल्म से हटाए जाएंगे दंगों के विवादित सीन्स, विलेन का बदलेंगे नाम

मलयालम फिल्म डायरेक्टर मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन स्टारर फिल्म एल2: एम्पुरान बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। फिल्म में दिखाए गए दंगे के सीन्स पर विवाद बढ़ता जा रहा है क्योंकि इसमें 2002 में हुए गुजरात दंगों से जुड़े कुछ आपत्तिजनक सीन्स हैं। अब एक्टर ने फैंस माफी मांगी है। उन्होंने लंबा-चौड़ा पोस्ट किया है और दर्द पहुंचाने के लिए खेद जताया है। साथ ही बताया ही कि प्रोडक्शन टीम ने दंगे वाले सीन्स हटाने का फैसला किया है। मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसे एक्टर मोहनलाल ने फेसबुक पर शेयर किया। उसमें उन्होंने लिखा है, मुझे पता है कि लूसिफर फ्रेंचाइजी के दूसरे पार्ट एम्पुरान में दिखाई गई कुछ चीजें फैंस को पसंद नहीं आई। उससे उन्हें दुख पहुंचा है। आर्टिस्ट होने के नाते, ये मेरी जिम्मेदारी है कि मेरी कोई भी फिल्म किसी भी राजनीतिक आंदोलन, विचार या धर्म के प्रति नफरत न फैलाए।

मोहनलाल ने फिल्म से सीन्स हटाने का फैसला किया : मोहनलाल ने आगे कहा, एम्पुरान की टीम के साथ-साथ मैं भी उन सभी से माफी मांगते हैं, जिन्हें फिल्म के सीन्स से तकलीफ पहुंची है। हम ये समझते हैं कि फिल्म के पीछे काम करने वालों की ही पूरी जिम्मेदारी होती है। और हमने ये फैसला लिया है कि जितने भी विवादित चीजें हैं, उनको फिल्म से हटा दिया जाएगा। मैंने पिछले चार दशकों से आप लोगों में से एक बनकर अपना सिनेमाई जीवन जिया है। आपका प्यार और विश्वास ही मेरी एकमात्र ताकत है। मेरा मानना कि मोहनलाल इससे बढ़कर कुछ नहीं है।

प्रोड्यूसर ने भी फिल्म को लेकर कही थी ये बात : इससे पहले, फिल्म के निर्माता गोकुलम गोपालन ने कहा था कि प्रोडक्शन टीम ने फिल्म में 17 कट लगाने का फैसला किया है और बदवाल के बाद इसे अगले हफ्ते थिएटर में रिलीज किया जाएगा। बताया जा रहा है कि महिलाओं के खिलाफ दिखाई गई हिंसा और दंगों वाले सीन्स को काटा जाएगा। खलनायक बाबा बजरंगी का नाम बदला जाएगा और कुछ डायलॉग्स को म्यूट किया जाएगा।

सिकंदर ने तोड़ा इन फिल्मों का रिकॉर्ड

सलमान खान की इन फिल्मों से रह गई पीछे

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म सिकंदर की रिलीज डेट पर कमाई उम्मीद से कम रही। ट्रेड विशेषज्ञों का अनुमान था कि पहले दिन फिल्म तकरीबन 50 करोड़ रूपये की कमाई करेगी लेकिन इसके फर्स्ट डे कलेक्शन इससे काफी कम रहा। फिल्म ने पहले दिन 30 करोड़ 6 लाख रुपये का बिजनेस किया है। हालांकि पहले दिन की कमाई उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, लेकिन फिर भी सलमान ने इस आंकड़े के साथ अपनी ही कई फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

सिकंदर ने तोड़ा इन फिल्मों का रिकॉर्ड

भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 30 करोड़ कमाने वाली सिकंदर ने किसी का भाई किसी की जान (15.81 करोड़), दबंग-3 (24.50 करोड़), रेस-3 (28.50 करोड़), बजरंगी भाईजान (27.25 करोड़), किक (26.40 करोड़) और जय हो (17.75 करोड़) का ओपनिंग डे का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। लेकिन कई ऐसी भी फिल्में रहीं जिनसे सिकंदर ओपनिंग डे की कमाई के मामले में पीछे रह गई। इनमें टाइगर-3, भारत, टाइगर जिंदा है, सुल्तान और एक था टाइगर जैसी फिल्में शामिल हैं। बॉलीवुड के भाईजान की फिल्म हो अभी 2ड और ढ्ढरूड्ड वर्जन में रिलीज किया गया है। फिल्म की कमाई के आंकड़े पहले दिन भले ही खास इंप्रेसिव ना रहे हों, लेकिन माना जा रहा है कि दूसरे और तीसरे दिन कमाई में जबरदस्त इजाफा देखने को मिलेगा।

हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा के समर्थन में उतरे बब्बू मान

पंजाबी सिंगर बोले- वेपन लाइसेंस बंद करे सरकार; बाहुबली-पुष्पा में 100-100 बंदे मार देते हैं

हरियाणा में गन कृचर को बढ़ावा देने वाले गानों को बैन करने के बाद हरियाणवी इंडस्ट्री में मचे बवाल में पंजाबी सिंगर की भी एंट्री हो गई है। बब्बू मान ने कहा है कि मासूम शर्मा समेत दूसरे सिंगरों के गानों को बैन करना गलत है। एक चैनल से बातचीत में बब्बू मान ने कहा- 15 साल पहले मेरे ऑफिस में हरियाणा के युवक मिलने के लिए आते थे। मैं उन्हें फोक सॉन्ग शुरू करने की कहता था। अब वहां अच्छे सिंगर और रैपर निकलकर आए। अब ऐसे गानों को बैन करना सही नहीं है। मैं पूरी तरह इन कलाकारों के साथ हूं। अगर गाने गलत हैं तो टीवी पर बाहुबली और पुष्पा जैसी फिल्मों को सेंसर बोर्ड क्यों पास करता, जिनमें 100-100 बंदों को मार देते हैं? फिर इन गानों पर रोक क्यों लगाई जा रही है?

हरियाणा के कलाकार मिलने के लिए आते थे : बब्बू मान से इंटरव्यू में कहा- मैंने भी मासूम शर्मा की वह वीडियो क्लिप देखी है, जिसमें वह मेरे गानों का जिक्र कर रहे हैं। 15 साल पहले तक हरियाणा की म्यूजिक इंडस्ट्री पूरी तरह से विकसित नहीं थी। हरियाणा के लोगों में पंजाब के गानों का क्रेज था। मैं अपने ऑफिस में एक हफ्ते या 15 दिन में फैंस से मिलता था। तब काफी संख्या में हरियाणा के नए-नए लड़के मिलने के लिए आते थे।

पूनम ढिल्लन ने साउथ इंडस्ट्री से डिसिप्लिन सीखा, बोली-

हमेशा लेट जाने की आदत थी, कमल हासन ने बहुत ज्यादा डांटा था

पूनम ढिल्लन ने हाल ही में कमल हासन को लेकर एक किस्सा शेयर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि एक बार सेट पर एक घंटा लेट आने के कारण कमल हासन ने उन्हें बहुत डांटा था। पूनम ने कहा कि वह अक्सर सुपरस्टार्स के साथ काम करती थीं जो घंटों देरी से आते थे। इसलिए किसी ने उन्हें भी समय पर आने के लिए नहीं कहा था। पूनम ढिल्लन ने हिंदी रश से बातचीत में बताया कि उन्होंने कमल के साथ 'ये तो कमाल हो गया', 'यादगार' और 'गिरफ्तार' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में काम करने के बाद उन्होंने डिसिप्लिन सीखा। एक्ट्रेस ने बताया, पहली बार मुझे सेट पर डांट पड़ी थी। क्योंकि मैं सेट पर देर से पहुंचती थी। मुंबई में 30-45 मिनट देर से आने पर कोई कुछ नहीं कहता था। मेरे को-एक्टर राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे लोग थे। यह लोग जब चाहें तब आ जाते थे। इसलिए हमें सेट पर 30-45 मिनट लेट से जाने की आदत थी।' पूनम ने आगे कहा कि वह एक बार चेन्नई में शूटिंग कर रही थीं। उन्हें सुबह 7 बजे का टाइम दिया गया था और वह सुबह 8 बजे पहुंचीं। उन्होंने सोचा कि वह देर से नहीं आई हैं। लेकिन जब वह सेट पर पहुंचीं तो कमल हासन ने उन्हें साइड ले जाकर काफी डांटा था।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज का उद्घाटन 19 को

कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का भी इनॉगरेशन, पीएम मोदी उधमपुर जाएंगे

बढ़ता राजस्थान

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। सबसे पहले वे उधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज) का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे कटरा (माता वैष्णो देवी) पहुंचकर जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल जम्मू रेलवे स्टेशन पर मरम्मत का काम चल रहा है, इस वजह से ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से कटरा से शुरू की जा रही है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अगस्त से यह ट्रेन जम्मू से चलना शुरू करेगी। कटरा- श्रीनगर पर ट्रेन का ट्रायल 25 जनवरी को किया गया था, जो सफल रहा। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे कश्मीर के अंतिम स्टेशन श्रीनगर पहुंची। यानी 160 किलोमीटर का सफर 3 घंटे में पूरा किया। यह वंदे भारत एंटी फ्रीजिंग सुविधाओं से लैस जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को विशेष रूप से एंटी फ्रीजिंग सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है। यात्री और मालगाड़ियों से आगे चलने वाली बर्फ हटाने वाली ट्रेन यह सुनिश्चित करेगी कि इस रणनीतिक मार्ग पर ट्रेनें पूरे साल दिन-रात चलेंगी। ट्रेन में लगा हीटिंग सिस्टम पानी की टंकियों और बायो-टॉयलेट को जमने से रोकेगा।

लाल और गेरुआ एक हुए : ममता

भाजपा-लेफ्ट बंगाल में दंगे भड़काना चाहते हैं, दोनों साथ मिलकर राजनीति कर रहे; कोई अशांति न फैलाए

बढ़ता राजस्थान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा में हुई हिंसा को लेकर भाजपा और लेफ्ट पर एक-दूसरे के साथ मिलकर राजनीति करने का आरोप लगाया। ममता ने बिना नाम लिए कहा कि ये दोनों पार्टियां मिलकर दंगे भड़काने की कोशिश कर रही हैं। नवरात्रि चल रही है, मैं इसके लिए भी शुभकामनाएं देती हूं, लेकिन हम चाहते हैं कि कोई भी अशांति न फैलाए। ममता सोमवार को ईद के अवसर पर कोलकाता में ईदगाह पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार दंगों को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सभी धर्मों के लिए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तैयार हैं।

ममता ने कहा : बहुमत का कर्तव्य अल्पसंख्यक की रक्षा करना है और अल्पसंख्यक का कर्तव्य बहुसंख्यकों के साथ रहना है। हम किसी को दंगा नहीं करने देंगे। हमारी एक ही आवाज है, दंगे रोकना। दरअसल, पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी में 27 मार्च को दो गुटों के बीच हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 मार्च को मोथाबाड़ी मस्जिद में नमाज हो रही थी। इस दौरान वहां से एक जुलूस गुजर रहा था, तभी कुछ लोगों ने धार्मिक नारे लगाए। 27 मार्च को दूसरे समुदाय ने इसका विरोध किया। इस दौरान भीड़ ने दुकानों, घरों और गाड़ियों में तोड़फोड़ और लूट की।

एक आंटी ने शादी का प्रस्ताव दिया : धीरेंद्र शास्त्री

कहा- एक पागल लड़की ने हाथ की नस काटी ली; हमें वाइफ नहीं, अर्धांगिनी चाहिए

छतरपुर (मध्य प्रदेश)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक न्यूज चैनल पर अपनी शादी की योजनाओं पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वे शादी करेंगे। उन्हें ऐसा जीवनसाथी चाहिए जो उन्हें और उनके परिवार को समझ सके। शास्त्री ने कहा कि उन्हें वाइफ नहीं, अर्धांगिनी चाहिए। उन्होंने शादी के कुछ प्रपोजल के किस्से भी साझा किए। इस दौरान बताया कि 40-42 साल की एक महिला ने तो अपने पति को तलाक देकर उनसे शादी का प्रस्ताव रखा था। पूजा-व्रत रखने का हवाला देते हुए शादी की मांग की : एक और चौंकाने वाली घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एक महिला भक्त ने तीन साल से पूजा और व्रत रखने का हवाला देते हुए शादी की मांग की। जब उनकी बात नहीं मानी गई तो उसने नस काट ली। महिला ने बारात की तारीख मांगी और डेट न मिलने पर यह कदम उठाया। उन्होंने कहा, हम डर गए, बड़ी मुश्किल से मामला छूटा।

देशभर में ईद का त्योहार मनाया गया

पीएम मोदी ने बधाई दी

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। देशभर में सोमवार को ईद-उल-फितर (मीठी ईद) का त्योहार मनाया गया। मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज अदा करने का समय अलग-अलग है। लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह में महिलाएं भी नमाज अदा कर सकेंगी। इसके लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को ईद की बधाई दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा- ईद का त्योहार हमारे समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। आपके सभी प्रयासों में खुशी और सफलता मिले। ईद मुबारक! वाराणसी की जामा मस्जिद में एक साथ बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे । इसके चलते सभी लोगों को मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए जगह नहीं मिली। इसके बाद कुछ लोगों ने सीढ़ियों पर ईद की नमाज अदा की। देश में कई जगह नमाज अदा करने के लिए लोग वक्फ बिल के विरोध में काली पट्टियां बांधकर पहुंचे। तमिलनाडु के त्रिची में बड़ी संख्या में लोगों ने सड़कों पर नमाज अदा की। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ईद के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पटना के गांधी मैदान पहुंचे। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने दिल्ली की संसद मार्ग स्थित मस्जिद में नमाज अदा की।

मुरादाबाद में हंगामा, दोबारा नमाज कराई गई

मुरादाबाद में नमाज छूटने पर कुछ युवकों ने हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि सुरक्षा के नाम पर उनको जगह-जगह चेक किया। ऐसे में वह समय से ईदगाह नहीं पहुंच पाए। इसके बाद ईदगाह में दोबारा नमाज पढ़वाई गई।

ममता बोली- हम सभी धर्मों के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ईद पर कोलकाता के ईदगाह में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कहा- हम धर्मनिरपेक्ष हैं। नवरात्रि चल रही है, मैं इसके लिए भी शुभकामनाएं देती हूं, लेकिन हम नहीं चाहते कि दंगे हों। आम लोग ऐसी चीजों में शामिल नहीं होते, केवल राजनीतिक दल ही ऐसा करते हैं। यह शर्म की बात है। पहले लाल पार्टी धर्मनिरपेक्षता के बारे में बयान देती थी। आज, लाल और गेरुआ एक हो गए हैं। हम अकेले लड़ेंगे। हम सभी धर्मों के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार हैं। बहुसंख्यकों का कर्तव्य अल्पसंख्यक की रक्षा करना है, और अल्पसंख्यक का कर्तव्य बहुसंख्यकों के साथ रहना है।

राजस्थान में अदा की गई ईद की नमाज

- **जयपुर :** राजधानी में परकोटा स्थित जामा मस्जिद और आमेर रोड पर ईदगाह में नमाज अदा की गई। हिंदू संगठन के लोगों ने ईदगाह मदरसे की छत से नमाजियों पर फूल बरसाकर भाईचारे का पैगाम दिया। कुछ नमाजी वक्फ संशोधन बिल के विरोध में बांह पर काली पट्टी बांधकर पहुंचे। नमाज के बाद एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई दी।
- **अजमेर :** शहर के सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने नमाज अदा की। दरगाह का जन्नती दरवाजा खोला गया, जहां जायरीन ने जियारत कर दुआएं मांगी। शहर की शाहजहानी मस्जिद, कैसरगंज और नौसर स्थित ईदगाहों में भी नमाज हुई।
- **जोधपुर :** जिले के जालोरी गेट की बड़ी ईदगाह में हजारों नमाजियों ने देश में अमन-चैन की दुआ की। जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए।

- **सीकर :** शहर के जामा मस्जिद में सुबह 8:45 से 9:15 बजे तक इमाम हाफिज मोहम्मद इब्राहिम ने नमाज कराई। सांसद अमराराम, विधायक राजेंद्र पारीक और पूर्व सभापति जीवण खां ने मुबारकबाद दी। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा, एसपी भुवन भूषण यादव और एडिशनल एसपी गजेंद्र सिंह जोधा उपस्थित रहे।

2 दिन तेज बारिश की संभावना

जयपुर समेत 11 जिलों के लिए अलर्ट

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में उत्तरी हवा के असर से सुबह-शाम की ठंडक बरकरार है। कल (रविवार) राज्य के तीन शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। प्रदेश में अगले दो दिन इसी तरह का मौसम रहने का अनुमान है। 2 अप्रैल से राजस्थान में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इसके असर से प्रदेश में 2 से 4 अप्रैल के बीच बादल छाने और बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने 2 अप्रैल को 7 जिलों और 3 अप्रैल को 11 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे के दौरान राजस्थान के अधिकांश शहरों का मौसम ड्राय रहा। इस दौरान उत्तरी हवा शनिवार की तुलना में रविवार को थोड़ी कमजोर रही। इसके चलते कई शहरों के दिन के तापमान में 1 से लेकर 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज हुआ। कल दिन में सबसे अधिक तापमान बाड़मेर में 37.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चित्तौड़गढ़ में कल दिन का अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस, कोटा में 36, सीकर में 32, पिलानी में 35, अजमेर में 33.6, जोधपुर, जैसलमेर में 35.8, बीकानेर में 35.2, चूरू में 34.4 और श्रीगंगानगर में 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

फतेहपुर, बारां में रात में सर्दी तेज

दिन में गर्मी कम रहने और सुबह-शाम ठंडी हवा चलने के कारण कल फतेहपुर, बारां, माउंट आबू में रात में सर्दी तेज रही। इन शहरों में कल न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सबसे कम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 8 .2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसके अलावा माउंट आबू (सिरोही) में 9 .4 और बारां में 9 .3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

वाराणसी की निधि तिवारी पीएम की प्राइवेट सेक्रेटरी बनीं

2014 बैच की आईएफसी अधिकारी पीएमओ में डिप्टी सेक्रेटरी थीं; काशी में असिस्टेंट कमिश्नर भी रही हैं

वाराणसी। वाराणसी की रहने वाली आईएफसी अधिकारी निधि तिवारी को पीएम नरेंद्र मोदी का प्राइवेट सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग ने इस नियुक्ति की सूचना जारी की। निजी सचिव के तौर पर निधि तिवारी पीएम मोदी के कार्यक्रमों का समन्वयन, बैठकों का आयोजन और सरकारी विभागों के साथ संपर्क से संबंधित कामकाज देखेंगी। पीएमओ में पहले भी कई महिला अधिकारियों को अहम जिम्मेदारी दी गई है।

सोशल मीडिया से इतिहास न पढ़ें लोग : राज ठाकरे

हमें पेड़ों-नदियों की फिक्र नहीं, औरंगजेब की कब्र की चिंता कर रहे हैं

बढ़ता राजस्थान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने औरंगजेब कब्र विवाद की निंदा की है। राज ने मुंबई के शिवाजी पार्क में गुड़ी पड़वा रैली में कहा कि लोग वॉट्सऐप पर फॉरवर्ड मैसेज से इतिहास न पढ़ें, सोशल मीडिया से नहीं, विश्वसनीय जगहों से इतिहास पढ़ें। उन्होंने कहा, इतिहास के नाम पर लोगों को लड़ाया जा रहा है, राजनेता इन मुद्दों को हवा दे रहे हैं ताकि विवाद को बढ़ाकर फायदा उठाया जा सके। हमें नदियों और पेड़ों की चिंता नहीं है, हम औरंगजेब की कब्र की फिक्र कर रहे हैं। इस विवाद की शुरुआत सपा विधायक अबू आजमी के बयान से शुरू हुई। उन्होंने 3 मार्च को कहा- हमें गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए हैं। मैं उसे क्रूर शासक नहीं मानता। इसके बाद छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज और सातारा से भाजपा सांसद उदयनराजे भोंसले ने कहा कि एक जेसीबी मशीन भेजकर उसकी (औरंगजेब) कब्र को गिरा दो। इसके बाद 17 मार्च को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद ने औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए प्रदर्शन किया था। नागपुर में हिंसा भड़क गई थी।

बच्चों को दिखाओ औरंगजेब को यहां दफनाया गया था

ठाकरे ने कहा कि बीजापुर के सेनापति अफजल खान को प्रतापगढ़ किले के पास दफनाया गया था और यह छत्रपति शिवाजी महाराज की अनुमति के बिना नहीं हो सकता था। लोग उकसावे में न आएं।। शिवाजी से पहले और शिवाजी के बाद के युगों में सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियां अलग-अलग थीं। औरंगजेब की कब्र को जो सजावट की गई है, उसे हटा दो। सिर्फ कब्र को रखो, वहां पर बड़ा बोर्ड लगा दो। बोर्ड पर लिखो कि जो हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को जो मारने आया था, उसे महाराष्ट्र की भूमि में दफनाया। छोटे-छोटे बच्चों को दिखाओ औरंगजेब को यहां दफनाया था।

कोई देश धर्म के आधार पर प्रगति नहीं कर सकता है

राज ठाकरे ने कहा, औरंगजेब का जन्म गुजरात के दाहोद में हुआ था। जो लोग अपनी स्वार्थी राजनीतिक आकांक्षाओं के लिए लोगों को भड़काते हैं, उन्हें इतिहास से कोई सरोकार नहीं है।कोई भी देश धर्म के आधार पर प्रगति नहीं कर सकता। आप तुर्किये को देखिए कि कैसे उसने खुद को सुधार लिया। धर्म आपके घर की चारदीवारी के भीतर ही रहना चाहिए। एक हिंदू की पहचान हिंदू के रूप में तभी होती है, जब मुसलमान सड़कों पर उतरते हैं या दंगों के दौरान। नहीं तो हिंदू भी जाति के आधार पर बंटे हुए हैं। ठाकरे ने एक वीडियो दिखाते हुए दावा किया कि शवों को जलाकर गंगा नदी में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा, यह कैसा धर्म है, अगर हम अपने प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर रहे हैं।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
- Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
- Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021 (M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
- 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033 (M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय मो.नं. 9414823448 प्रधान कार्यालय :185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.) फोन नं.0141-2796794,2796795,
E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)